छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 176 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 08 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फूड इंस्पेक्टर और सहयोगी को 5-5 साल सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा

मामला नाबालिग के लैंगिक उत्पीड़न का, फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट का फैसला

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो) ने नाबालिग से लैंगिक उत्पीड़न के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तत्कालीन फूड इंस्पेक्टर निखिलेश टेम्भुर्ने और उसके सहयोगी शाहरुख को दोषी करार देते हुए दोनों को 5-5 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों पर अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, यह मामला 11 जनवरी 2022 को शुरू हुआ था, जब नाबालिग पीड़िता की माता ने रामानुजगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में

बताया गया कि तत्कालीन फूड इंस्पेक्टर निखिलेश टेम्भुर्ने ने उसकी नाबालिग बेटी को अपने कार्यालय में काम पर रखा था। आरोप था कि निखिलेश टेम्भुर्ने कार्यालय के काम के बहाने पीड़िता को अपने घर बुलाता था। उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी उसे नौकरी से निकालने और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देता था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गहन विवेचना की और उसके बाद न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। विशेष न्यायाधीश शुभ्रा पचौरी, अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो), रामानुजगंज ने मामले की सुनवाई की।

कोर्ट ने मुख्य व सह अभियुक्त को ठहराया दोषी

सुनवाई के बाद न्यायालय ने निखिलेश टेम्भुर्ने को पॉक्सो अधिनियम की धारा 7/8 और भारतीय न्याय संहिता/भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। उसे अधिकतम 5 साल के सश्रम कारावास और कुल 24 हजार रुपये के अर्थदंड का आदेश दिया गया। सह-अभियुक्त शाहरुख को पॉक्सो अधिनियम की धारा 16/17 के तहत 5 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के निर्देश

न्यायालय ने अपने आदेश में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को यह भी निर्देश दिया है कि नाबालिग को अवैध रूप से नौकरी पर रखने, राशन कार्ड से संबंधित कार्यों में कथित धन उगाही और भ्रष्टाचार के आरोपों की विस्तृत जांच कराई जाए। इस मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र कुमार गुप्ता ने पैरवी की, जबकि अभियुक्तों की ओर से अधिवक्ता राजीव दुबे न्यायालय में उपस्थित रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु 22 तक करें आवेदन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खाद्य अधिकारी ने बताया कि इंदिरा खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी मर्या. नगर निगम अंबिकापुर द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 391001068 के संचालन तथा खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी मर्या. वीर सावरकर वार्ड क्रमांक 07 नगर निगम अम्बिकापुर द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 391001047 के संचालन हेतु असमर्थता व्यक्त की गई है। उन्होंने बताया कि शासकीय उचित मूल्य दुकान के नवीन आबंटन के लिए संचालन हेतु इच्छुक पात्र एजेन्सी से दुकान संचालन के लिये आवेदन आमंत्रित है, वे अपना आवेदन पत्र विहित प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण एवं दस्तावेज की सत्यापित छायाप्रति के साथ अंतिम तिथि 22 जुलाई तक कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा में जमा कर सकते है। समय-सीमा के बाद आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

रिश्तेदार महिला से पुलिस आरक्षक और उसकी पत्नी ने ठग लिए 30 लाख

देनदारी से बचने कर्जा एक्ट का केस दर्ज कराने की चली चाल, अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रिश्तेदारी के आड़ में भरोसे में लेकर महिला से पुलिस आरक्षक और उसकी पत्नी ने 30 लाख रुपये की ठगी कर ली। गांधीनगर थाना पुलिस ने इनके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर थाना क्षेत्र के पटपरिया की अनुपमा सिंह 45 वर्ष अपने घर में ब्यूटी पार्लर चलाती है। इनसे 11 जुलाई 2023 से 30 जुलाई 2023 के बीच प्रवीण प्रताप सिंह एवं उसकी पत्नी ने जमीन खरीदने के लिए तात्कालिक जरूरत बताते हुये 30 लाख रुपये उधार में लिया था। इनके द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग में 75 लाख रुपये काम का बकाया होने का झांसा दिया गया, और रुपये मिलते ही उधार में लिये गये रकम को वापस कर देने कहा गया। इसके बाद जब भी महिला रुपये वापस करने के लिये कहती तो प्रवीण और उसकी पत्नी के द्वारा लगातार पीडब्ल्यूडी विभाग के

शिकायतकर्ता अनुपमा सिंह

मुख्यालय रायपुर से जल्द ही रकम मिलने की जानकारी देकर गुमराह कर दिया जाता था और कई बार वाट्सएप चेटिंग तथा वाइस नोट के माध्यम से बताकर उसे भरोसे में रखे थे। दोनों पति-पत्नि महीनों रायपुर में जाकर रहते थे, इससे अनुपमा को विश्वास था कि, आज नहीं तो कल रुपये वापस मिल जायेगा। बाद में रकम वापसी में हीलाहवाली करते हुये दोनों तमाम बहाना बनाने लगे। शिकायत पर गांधीनगर थाना पुलिस ने आईपीसी की धारा 420 और 34 के तहत मामला दर्ज किया है। गांधीनगर थाना प्रभारी ने कहा है कि, कानून सभी के लिए समान है। विभाग का कोई भी कर्मचारी यदि आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

10 लाख देने के बाद दिया गया चेक बाउंस हुआ

उधार में लिये गये रकम को वापस करने के लिये दबाव बनाने पर धीरे-धीरे मार्च 2025 तक 10 लाख रुपये इन्होंने वापस किया और शेष 20 लाख रुपये के एवज में इनके द्वारा 10-10 लाख रुपये का चेक 05.06.2025 और 13.06.2025 को दिया गया, जो बाउंस हो गया। इस पर अनुपमा सिंह ने 19.06.2025 को नोटिस भेजा। इसके जवाब में इन्होंने कहा कि वे उक्त रकम अपने परिवार की आमदनी बढ़ाने और व्यवसाय के लिये उधार में लिए हैं, इसमें से कुछ रकम वापस कर दिए हैं और शेष रकम जो 13 लाख रुपये के करीब है, उसे वापस करने के लिये वे तैयार हैं, किन्तु नोटिस भेजने वाले से उनका ब्याज संबंधी विवाद है। इनके द्वारा चेक बाउंस के केस को वापस लेने के लिये दबाव बनाया गया और दोनों ने अनुपमा के खिलाफ थाना गांधीनगर में कर्जा एक्ट का केस दर्ज करा दिया, ताकि देनदारी से बच सकें।

अन्य लोगों से भी लिये लाखों रुपये

आरोप है कि, आरक्षक और उसकी पत्नी शहर के अन्य लोगों से भी पीडब्ल्यूडी विभाग में अपना पैसा फंसा होने का झांसा देकर रकम उधार में लिए हैं, और पुलिस विभाग में पदस्थ होने का लाभ लेकर सभी को उल्टा फंसाने का धमकी देते आ रहे हैं। महिला ने बताया है कि, उनकी जानकारी में इन्होंने मृत्युंजय गुप्ता से 10 लाख रुपये, विवेक तिवारी से 4.30 लाख रुपये और जगजीत सिंह से 4.50 लाख रुपये लेकर उनको भी चेक दिया और देनदारी से बचने के लिये फंसाने की धमकी दे रहे हैं। महिला ने पुलिस को बताया है कि, आरक्षक प्रवीण प्रताप सिंह और उसकी पत्नि अपराधिक षड्यंत्र रचते हुये रिश्तेदारी का लाभ उठाकर रकम को हड़प लिये और रुपये वापस न करना पड़े, इससे बचने के लिए पुलिस विभाग में होने का लाभ उठाते हुये झूठा शिकायत करने में लगे हैं।

ओबीसी समाज के सशक्तिकरण के लिए भाजपा प्रतिबद्धः राजेश अग्रवाल

सम्मेलन में संगठन की मजबूती और सामाजिक समरसता पर वक्ताओं ने दिया जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आह्वान पर भाजपा ओबीसी मोर्चा की जिला कार्यसमिति बैठक, जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं प्रबुद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन शहर के पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी तथा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, विधायक प्रबोध मिंज, महापौर मंजूषा भगत, बस्तर संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा तथा ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर मौजूद रहे।

ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता बबलू के नेतृत्व में आयोजित सम्मेलन में भाजपा

सरगुजा के सभी 16 मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न समाजों के प्रमुखों एवं प्रबुद्धजनों को अतिथियों द्वारा शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओबीसी वर्ग को सम्मान, अवसर और भागीदारी मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

अखिलेश सोनी ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच सक्रिय संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया। अशोक साहू ने कहा कि ओबीसी मोर्चा सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार का मजबूत माध्यम है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन की विचारधारा और सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों में पूरी सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आग्रह किया। राकेश गुप्ता बबलू ने सम्मेलन में पहुंचे सभी अतिथियों, प्रबुद्धजनों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि ओबीसी मोर्चा जिले में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज के हर वर्ग तक पार्टी की नीतियों और सेवा कार्यों को पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेगा। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। मंच संचालन वीर सोनी ने किया तथा आभार पंकज गुप्ता ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ अंबिकेश केशरी, विनोद हर्ष, होरीलाल गुप्ता, संतोष दास, मनोज गुप्ता, राजेंद्र जायसवाल, इंदर भगत, दिनेश साहू, जनमेजय मिश्रा, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, अभय साहू, सिकंदर जायसवाल, श्रवण दास मानिकपुरी, प्रयागराज साहू, गौतम विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शहर के निजी अस्पताल में आयुष्मान कार्ड ब्लॉक बताकर धोखाधड़ी

कोतवाली थाना पुलिस ने मरीज के संबंधी की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना अंतर्गत निजी अस्पताल में भर्ती मरीज का आयुष्मान कार्ड ब्लॉक बताकर मरीज के स्वजन से 1 लाख 60 हजार रुपये नकद प्राप्त करने और आयुष्मान से 1 लाख 50 हजार 460 रुपये प्राप्त करने का आरोप मरीज के संबंधी ने लगाया है, और कोतवाली थाना में इसकी लिखित शिकायत की है। मामले में पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत ग्राम गिरवानी निवासी विवेक जायसवाल पिता शम्भू प्रसाद ने पुलिस को बताया है कि, वह अपने बड़े पिता राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल को अंबिकापुर में स्थित लक्ष्मीनारायण अस्पताल में 17.04.2026 को गैस की वजह से पेट में दर्द रहने की शिकायत पर लेकर आया था। यहां डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि मरीज के दिल के नसों में ब्लाकेज है, इसका इलाज एंजियोप्लास्टिक प्रक्रिया से करना पड़ेगा, इसके लिये तीन स्टेंट लगाया जाएगा। खर्च आयुष्मान कार्ड से भुगतान किया जा सकता है। कुछ समय बाद अस्पताल प्रबंधन ने मरीज का आयुष्मान कार्ड किसी वजह से ब्लॉक होने की बात कहकर गुमराह किया, और कहा कि उन्हें भुगतान नकद करना पड़ेगा। मरीज की परिस्थिति और डॉक्टर के द्वारा बताई गई बीमारी को देखते हुये उन्होंने इसका एक लाख 60 हजार रुपये दवा सहित भुगतान कर किया।

आयुष्मान से 1.50 लाख से अधिक आहरण

मरीज के संबंधी विवेक ने आयुष्मान कार्ड का जांच कराया तो पता चला कि इसमें से भी अस्पताल प्रबंधन को एक लाख 50 हजार 460 रुपये का भुगतान हुआ है, जबकि मरीज को दो स्टेंट ही लगे हैं, तीसरा लगाना बाकी है। ऐसे में समझा जा सकता है कि सरकार की मुफ्त इलाज योजना, आयुष्मान को निजी अस्पताल में ब्लॉक बताकर मरीजों से किस प्रकार मोटी रकम वसूली जा रही है। इससे मरीजों पर आर्थिक भार पड़ रहा है।

पूछताछ में प्रबंधन ने नहीं दिया स्पष्ट जवाब

शिकायतकर्ता का कहना है कि, बार-बार पूछने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन का रवैया टालमटोल भरा रहा, और उन्हें किसी प्रकार का कोई बिल नहीं दिया गया। मामले में पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन के विरूद्ध धारा 318 (4) बीएनएस का मामला दर्ज कर लिया है।

बस में गूंजी किलकारी, यात्रियों ने नवजात पर रुपये न्यौछावर कर दंपति को दी बधाई

कोरबा से बिहार जा रही स्लीपर बस में नवविवाहिता ने स्वस्थ बच्चे को दिया जन्म

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोरबा से बिहार, पटना जा रही स्लीपर बस में यात्रा कर रही एक नवविवाहिता ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। बस में गूंजी किलकारी के बाद यात्रियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस दौरान बस बलरामपुर जिले में पहुंच चुकी थी। बस में सवार महिला यात्रियों ने प्रसव पीड़ा से तड़प रही नवविवाहिता का सुरक्षित प्रसव कराया। यात्रियों ने खुशी जाहिर करते हुये नवविवाहित जोड़े को बधाई देते हुये रुपये दिया। बलरामपुर पहुंचने पर जच्चा-बच्चा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद बस अन्य यात्रियों को लेकर पटना के लिए रवाना हो गई।

जानकारी के मुताबिक, राजहंस बस 6 जुलाई को यात्रियों को लेकर कोरबा से बिहार राज्य के पटना जाने के लिये रवाना हुई थी। बस अंबिकापुर से प्रतापपुर होते हुए सेमरसोत के रास्ते पर पहुंची थी तभी कोरबा से बस में पति के साथ सवार हुई एक गर्भवती नवविवाहिता को प्रसव पीड़ा होने लगी। इसकी जानकारी नवविवाहिता के पति ने बस कंडक्टर के अलावा महिला यात्रियों को दी। इसके बाद महिलाएं आगे आईं, और भारी बारिश के बीच रास्ते में बस को चालक ने रोक दिया, इसके बाद बस में सवार महिला यात्री सुनती देवी ने अन्य महिलाओं की मदद से सुरक्षित प्रसव कराया। नवविवाहिता ने बेटे को जन्म दिया, प्रसव होते ही बच्चे की किलकारी बस में गूंजी, और यात्रियों में खुशी की लहर दौड़ गई। नवविवाहित जोड़ा भी बच्चे के जन्म के बाद काफी प्रसन्न था।

इंटरनेट मीडिया पर वीडियो, फोटो वायरल

प्रसव कराने वाली महिला ने बच्चे को गोद में लेकर यात्रियों को दिखाया। इस दौरान कई लोगों ने मोबाइल में उसका वीडियो-फोटो बना लिया। यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। यात्रियों में बच्चे के जन्म को लेकर इतनी खुशी थी कि कई यात्रियों ने स्वेच्छा से बच्चे पर रुपये न्यौछावर किया और दंपति को बधाई दी। युवक ने रुपये लेने से मना किया, लेकिन यात्रियों ने खुशी के अवसर पर साक्षी बनने की बात कहते हुये उसकी बातों को नजरअंदाज करके रुपये उसके हाथों में थमा दिया।

दिशा समिति की बैठक आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दिशा समिति की बैठक 08 जुलाई को 11 बजे से सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उक्त बैठक में सर्व संबंधितों को निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने कहा गया है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करें : चिंतामणि

★ दिशा समिति की बैठक में केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की हुई गहन समीक्षा ★ योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन सहित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि पर विशेष जोर

★ मौसमी बीमारियों,सर्पदंश, डॉग बाइट उपचार की समुचित व्यवस्था के निर्देश ★ एग्री स्टैक पंजीयन, जैविक खेती, श्री विधि के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की त्रैमासिक बैठक सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन की स्थिति एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा की गई। सांसद श्री महाराज ने विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रगति प्रतिवेदनों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि विकास कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी स्वीकार्य नहीं की जाएगी।

सांसद श्री महाराज ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, समिति के सदस्य एवं जनप्रतिनिधिगण सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सांसद श्री महाराज ने अपने उद्बोधन में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक क्षमता के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में चिन्हित कर विशेष प्रयास करें, ताकि उनकी सतत प्रगति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बच्चों के सर्वांगीण विकास करने के निर्देश दिए है। सांसद श्री महाराज ने जाति एवं निवास प्रमाण पत्र समय-सीमा में जारी करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित रहते हैं, इसलिए विशेष रूप से अविवादित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करे जिससे आमजन को समय पर शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा एवं अन्य लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि इनकी लंबित स्थिति के कारण कई पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। इसलिए ऐसे मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों को निर्माण कार्य के लिए रेत की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही अवैध रेत परिवहन के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में सांसद श्री महाराज ने स्वास्थ्य एवं जनहित से जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को वर्षा ऋतु के दौरान संभावित मौसमी

बीमारियों की रोकथाम के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता एवं चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप जनजागरूकता बढ़ाकर लोगों को समय पर चिकित्सालयों में जांच एवं उपचार कराने के लिए प्रेरित करने को कहा।

कृषि क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना एवं उद्यानिकी गतिविधियों की जानकारी ली। श्री महाराज ने किसानों को सब्जी एवं अन्य लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने, क्षेत्र भ्रमण कराने, जैविक खेती को बढ़ावा देने, श्री विधि अपनाने, स्थानीय धान की पारंपरिक किस्मों के संरक्षण, मृदा परीक्षण के आधार पर वैज्ञानिक सलाह उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आत्मा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, खाद-बीज की उपलब्धता की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने एग्री स्टैक पंजीयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह शासन की एक महत्त्वपूर्ण पहल है, उन्होंने प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों से किसानों को अधिक से अधिक जागरूक एवं प्रेरित कर उनका पंजीयन कराने तथा भविष्य में मिलने वाले लाभों से अवगत कराने के निर्देश दिए।

सांसद श्री महाराज ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से संचालित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए युवाओं एवं महिलाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने बताया कि प्रशिक्षण संस्थान में राजमिस्त्री, पशु सखी सहित विविध क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी दिवसों में जिले में पर्यटन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पर्यटक गाइड, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के लिए कैटरिंग, हाउसकीपिंग जैसी विशेष कौशल प्रशिक्षण प्रारंभ करने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

सांसद श्री महाराज ने पर्यटन को स्थानीय रोजगार एवं स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बताते हुए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं एवं स्व-सहायता समूहों को पर्यटन आधारित आजीविका से जोड़ने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करें, ताकि जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो सकें।

सांसद श्री महाराज ने वर्षा ऋतु को देखते हुए नगरीय एवं पंचायतों में नालियों की साफ-सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित सड़कों की गुणवत्ता पर उन्होंने कहा कि गुणवत्ताहीन निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल पैच मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवश्यक मरम्मत एवं यातायात सुचारु बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से समिति को अवगत कराया जिस पर सांसद ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने आंगनबाड़ी भवनों की स्थिति, सुदूर एवं पहुंच विहीन क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन के भंडारण एवं समयबद्ध वितरण की जानकारी ली। सांसद श्री महाराज ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी के अंतर्गत स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वीबी जी राम जी (पूर्व मनरेगा) अंतर्गत स्वीकृत कार्यों, भुगतान एवं लंबित भुगतानों की भी समीक्षा कर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वरोजगार अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री पोषण योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रधानमंत्री जनधन खाता सहित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बंद पड़ी बलरामपुर खदान के स्टोर में सेंधमारी, लोहे का सामान चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बंद पड़ी बलरामपुर खदान में सोमवार देर रात चोरों ने सेंधमारी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोर स्टोर में रखी लोहे की प्लेटें सहित अन्य सामान ले गए। वहीं खदान परिसर में लगी विद्युत सप्लाई लाइन की केबल भी काटे जाने की सूचना है। हालांकि, चोरी गए सामान की मात्रा और कीमत का आधिकारिक आकलन अभी सामने नहीं आया है।

जानकारी के अनुसार एसईसीएल की बलरामपुर एवं कुमदा 7-8 खदानें पिछले एक वर्ष से अधिक समय से बंद हैं। प्रबंधन का कहना है कि लगातार घाटे के कारण दोनों खदानों का संचालन बंद किया गया था। खदानें बंद होने के बाद से कबाड़ चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी होने की बात सामने आ रही है। स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि बंद खदान और वर्कशॉप से लोहा, केबल तथा मशीनरी उपकरणों की लगातार चोरी हो रही है, लेकिन कई मामलों में पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई जा रही। इससे सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि 6 जुलाई की रात चोरों ने बलरामपुर खदान के स्टोर में सेंध लगाकर लोहे की प्लेटें सहित अन्य सामग्री चोरी कर ली। इसी दौरान केबल चोरी की नीयत से सप्लाई लाइन की केबल भी काट दी गई। समाचार लिखे जाने तक दोनों मामलों में पुलिस में एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई थी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 19-20 अप्रैल की दरम्यानी रात एसईसीएल के रीजनल वर्कशॉप के स्ट्रांग रूम में सेंधमारी कर करीब 2 से 2.5 लाख रुपये मूल्य का कॉपर केबल चोरी होने का मामला भी सामने आया था। उस मामले में भी अब तक एफआईआर दर्ज नहीं होने की चर्चा है। जबकि पूरा रीजनल वर्कशॉप सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होने के बावजूद चोरी की घटनाएं होने और मामलों को दबाए जाने के आरोप लगते रहे हैं।

रेल पटरी के बाजू तेजी से बढ़ रही अवैध झुग्गी बस्ती, हर पल हादसे का खतरा,जिम्मेदार मौन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-अनूपपुर रेलखंड पर बिश्रामपुर स्टेशन से करंजी स्टेशन के बीच एसईसीएल की जेएमक्यू कॉलोनी के पीछे रेल पटरी से सटी अवैध झुग्गी बस्ती का लगातार विस्तार हो रहा है। रेल लाइन के बेहद करीब सैकड़ों झुग्गियां बस जाने से किसी भी समय बड़े रेल हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे प्रशासन को इस गंभीर स्थिति की जानकारी होने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, यह क्षेत्र स्थानीय स्तर पर पव्वापारा के नाम से जाना जाता है। यहां पिछले कुछ वर्षों में धीरे-धीरे बड़ी संख्या में लोगों ने एसईसीएल की लीज भूमि और रेलवे भूमि पर झुग्गियां और कच्चे-पक्के मकान बना लिए हैं। कई घर तो रेल पटरी से बेहद कम दूरी पर स्थित हैं। रेलवे सुरक्षा मानकों के अनुसार ट्रैक के आसपास पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखना आवश्यक होता है, लेकिन यहां लगातार बढ़ते अतिक्रमण से यह व्यवस्था प्रभावित होती दिखाई दे रही है।

बताया जाता है कि करीब एक वर्ष पहले रेलवे प्रशासन ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के माध्यम से दर्जनों अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए थे। उस समय अतिक्रमण हटाने की तैयारी भी शुरू हुई थी, लेकिन बाद में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में

चला गया और बस्ती का विस्तार पहले से अधिक तेजी से होने लगा।

सुरक्षा दीवार की योजना भी अधर में

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पूर्व मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने निरीक्षण के दौरान इस पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए रेल पटरी के किनारे कंक्रीट की सुरक्षा दीवार बनाने के निर्देश दिए थे। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई थी।

बताया जाता है कि जब ठेकेदार निर्माण कार्य शुरू करने के लिए मौके पर पहुंचा, तब रेलवे अधिकारियों ने अतिक्रमण हटने के बाद ही स्थल उपलब्ध कराने की बात कही। अतिक्रमण नहीं हटने के कारण ठेकेदार को कार्यस्थल का कब्जा नहीं मिल सका और सुरक्षा दीवार का निर्माण शुरू ही नहीं हो पाया। इसके बाद भी आरपीएफ द्वारा कुछ लोगों को नोटिस दिए गए, लेकिन कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी।

कूड़े के कारण बढ़ रहा हादसे का खतरा

बस्ती के विस्तार के साथ एक और गंभीर समस्या सामने आ रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक झुग्गी बस्ती का घरेलू कचरा और जूठन रेल लाइन के दूसरी ओर फेंका जाता है। भोजन के अवशेषों के कारण मवेशी अक्सर रेल पटरी पार कर दूसरी तरफ पहुंच जाते हैं। इस दौरान कई बार मवेशी ट्रेनों की चपेट में आकर मारे जा चुके हैं कई विकलांग होकर जिंदगी जी रहे । वहीं, रेल लाइन के आसपास रहने वाले बच्चों और अन्य लोगों के भी ट्रैक पार करने के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। तेज गति से गुजरने वाली ट्रेनों के बीच यह स्थिति रेलवे सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती मानी जा रही है।

रेल अधिकारियों की अनदेखी पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रेलखंड से रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों का नियमित निरीक्षण और आवागमन होता है, इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उनका मानना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण हटाकर सुरक्षा दीवार का निर्माण नहीं कराया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

फिलहाल इस मामले में रेलवे प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि अतिक्रमण हटाने और सुरक्षा दीवार निर्माण को लेकर आगे क्या कार्रवाई प्रस्तावित है। स्थानीय नागरिकों ने रेलवे प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर रेल पटरी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा की प्राप्तांक सूची जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु आयोजित लिखित परीक्षा की प्राप्तांक सूची प्रकाशित कर दी गई है। प्रकाशित सूची के संबंध में अभ्यर्थियों से 9 जुलाई 2026 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के तहत कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 5 जुलाई 2026 (रविवार) को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया गया था। परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों के प्राप्तांकों की सूची अब प्रकाशित कर दी गई है, जिससे अभ्यर्थी अपने प्राप्तांक का अवलोकन कर सकते हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, घर लौटने का वादा बना आखिरी बातचीत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर और फिर एसईसीएल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, जबकि पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम सम्बलपुर सेमरा निवासी 20 वर्षीय सतेन्द्र मानिकपुरी पिता जगेश्वर मानिकपुरी सोमवार की शाम करीब 6 बजे अपनी बजाज मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 ईके 8902 से लटोरी जाने की बात कहकर घर से निकला था। रास्ते में बारिश होने के कारण उसने अपने पिता को फोन पर बताया कि वह बारिश रुकने का इंतजार कर रहा है और जल्द घर लौट आएगा। रात करीब 10 बजे पिता ने दोबारा फोन किया तो सतेन्द्र ने बताया कि वह जयनगर में है और कुछ ही देर में घर पहुंच जाएगा। इसके लगभग 10-15 मिनट बाद हुई आखिरी बातचीत में उसने कहा कि वह गांव पहुंच चुका है और मैदान के पास है, बस घर आ रहा है। परिवार ने यह सोचकर राहत की सांस ली कि बेटा सुरक्षित लौट रहा है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। रात करीब 11 बजे जयनगर से पुलिस का फोन आया कि जयनगर स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर सतेन्द्र का सड़क हादसा हो गया है और उसे उपचार के लिए बिश्रामपुर अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन इसी बीच पुलिस ने बताया कि गंभीर हालत को देखते हुए युवक को एसईसीएल अस्पताल रेफर किया गया है।

जब परिवार एसईसीएल अस्पताल पहुंचा तो वहां मौजूद रिश्तेदार ने बताया कि हादसे में सतेन्द्र के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं तथा इलाज के दौरान उसकी मौत हो चुकी है। यह खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। परिजनों के अनुसार सतेन्द्र की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। उनका आरोप है कि अज्ञात वाहन चालक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया है। मृतक के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 106 (ए) भारतीय न्याय संहिता में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। फरार वाहन और उसके चालक की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लटोरी क्षेत्र की एक मासूम बच्ची के साथ नाबालिग किशोर द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। लटोरी पुलिस ने मामले में एफआईआई दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही हेतु केस को अंबिकापुर थाना भेज दिया है। साथ ही यहां पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लटोरी की अव्यवस्था एक बार पुनः सामने आई है। जानकारी के अनुसार लटोरी क्षेत्र की 4 वर्षीय मासूम बच्ची परिवार के साथ अंबिकापुर के रसूलपुर में रहती है। इसी दौरान गत दिनों माह फरवरी व मई में वहीं के एक नाबालिग किशोर द्वारा मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया है। मासूम बच्ची जब अपनी मां के साथ सप्ताह भर पूर्व लटोरी क्षेत्र स्थित अपने मकान में रहने आई थी। इसी दरम्यान मासूम बच्ची को जब यूरिन में दिक्कत हुई तब परिजन उसे लेकर लटोरी पुलिस चौकी पहुंच गए। यहां पर परिजन द्वारा एफआईआर कराई गई। जब पुलिस द्वारा मासूम बच्ची के मेडिकल हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लटोरी भेजा गया, तो वहां पर महिला चिकित्सक न होने की वजह से मासूम बच्ची को घंटों मेडिकल सुविधा प्राप्त करने इंतजार करना पड़ गया। अंततः मासूम बच्ची को जब पुलिस द्वारा सुरजपुर अस्पताल भिजवाकर मेडिकल कराया गया, तब उसका ईलाज हो सका। लटोरी पुलिस ने मामले में जुर्म दर्ज कर घटना स्थल अंबिकापुर होने की वजह से केस को अग्रिम कार्यवाही हेतु अंबिकापुर थाना भेज दिया है।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन

में करंजी चौकी प्रभारी विशाल मिश्रा के नेतृत्व तथा सरपंच सुमित्रा सिंह की उपस्थिति में प्रधान आरक्षक जयप्रकाश कुजूर तथा खेलन राम शांडिल्य द्वारा नशा के विरुद्ध मुहिम चलाते हुए नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम किया गया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा उपस्थित बच्चों को नशा से होने वाली से समस्या व परेशानी को बताते हुए इससे दूर रहने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। त्रिपाठी ने कहा कि नशा नाश की जड़ है। साथ ही नशा से होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों को बताते हुए इससे दूर रहने तथा समाज को भी दूर रहने के लिए प्रयास करने को कहा गया। प्रधान आरक्षक जयप्रकाश कुजूर द्वारा नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु शपथ दिलाया गया। इस दौरान संस्था के शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा मंडल शिवनंदनपुर में मना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा मंडल शिवनंदनपुर के ग्राम पंचायत कुंजनगर में स्थित संत गहिरा गुरु आश्रम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म जयंती मनाया गया। मुख्य अतिथि निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष अनूप सिन्हा थे। अन्य अतिथियों में जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े, विजयराज अग्रवाल, मंजित सिंह भामरा, भागवत प्रजापति, शितिकांत स्वाई थे। स्वागत भाषण हरीश राजवाड़े ने दिया। कार्यक्रम को विजयराज अग्रवाल एवं देवधन राम बिंझिया ने भी संबोधित किया। अंत में मुख्य वक्ता अनूप सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी नेता व कुशल संगठन शिल्पी थे। उन्होंने संगठन

को मजबूत बनाने के लिए टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही हमारी पूंजी है। हमारा आचरण और व्यवहार लोगों के प्रति अच्छा होना चाहिए इस अवसर पर मुख्य रूप से विवेक जायसवाल, पार्षद श्यामू साहू, कृष्णपाल बिंझिया, बुलचू राजवाड़े, शांतनु सिंह, अनिता सिंह, गोपाल राजवाड़े, राजेंद्र प्रसाद, पार्षद अंजली राजवाड़े, पार्षद प्रमिला साहू, वंदना चौरसिया, गीता साहू, समीर सिंह, घलम सिरदार, अंगद राजवाड़े, यश सोनी, दलसाय राजवाड़े, नरेन्द्र प्रजापति, चंद्रशेखर राजवाड़े, दीपक सोनी, संतोष पाठक, तारकेश्वर पटेल, ध्रुवनाथ पांडेय, लव कुमार, पुरनचंद राजवाड़े व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री शितिकांत स्वाई व आभार देवशरण सिंह ने व्यक्त किया।

शरीर के घावों से परेशान पंडो जनजाति के लोग, एक बच्चे के सिर पर हुए जख्म में पड़े कीड़े, स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। ओड़गी विकासखंड अंतर्गत चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोल्हुआ भाटपारा में विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के एक बच्चे के सिर में गंभीर घाव होने के बाद उसमें कीड़े पड़ने का मामला सामने आया है। वहीं कई अन्य लोगो के शरीर भी पीड़ा दायक घाव से प्रभावित है। इस बीमारी ने वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर उपचार और नियमित स्वास्थ्य निगरानी नहीं मिलने के कारण एक सामान्य घाव गंभीर संक्रमण में बदल गया। ग्रामीण बताते हैं कि पीड़ित के सिर में लंबे समय से घाव था, लेकिन उचित इलाज नहीं मिलने से घाव में संक्रमण बढ़ता गया और अंततः उसमें कीड़े पड़ गए। पीड़ित की हालत गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीणों ने तत्काल बेहतर उपचार की मांग की है। यह पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व भी इसी क्षेत्र में पंडो जनजाति के एक व्यक्ति के हाथ के घाव में कीड़े पड़ने का मामला सामने आया था। उस समय मामला सुर्खियों में आने के बाद तत्कालीन कलेक्टर स्वयं गांव पहुंचे थे। स्वास्थ्य विभाग ने कोल्हुआ, बैजनपाठ, तेलाईपाठ, बलियरी, रसौकी सहित पंडो बाहुल्य गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की जांच, उपचार और दवा वितरण किया था। फिर इसी तरह का मामला सामने आने से स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता पर सवाल खड़े हो

गए हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि जिस गांव में यह घटना हुई है, वहां से महुली उप स्वास्थ्य केंद्र की दूरी महज लगभग एक किलोमीटर बताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब दो वर्ष पहले महुली उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्वीकृति मिलने के बावजूद आज तक वहां पूर्ण रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी सुविधाएं शुरू नहीं हो सकी हैं। ग्रामीणों के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र में नियमित ओपीडी सेवा प्रभावी ढंग से संचालित नहीं हो रही है। पिछले लगभग दो वर्षों से गर्भवती महिलाओं की प्रसव सेवा भी बंद पड़ी है, जिसके कारण प्रसूताओं को कई किलोमीटर दूर अन्य अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। आपातकालीन स्थिति में यह परेशानी और बढ़ जाती है। आरोप है कि स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। मरीजों को अधिकांशतः केवल सामान्य गोली और सिरप देकर लौटा दिया जाता है। इंजेक्शन, सलाइन तथा अन्य आवश्यक उपचार सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को रेफर करना पड़ता है। वनांचल क्षेत्र के गरीब और विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के परिवारों के लिए यह स्थिति चिंताजनक है।

ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मांग की है कि पीड़ित का तत्काल समुचित उपचार कराया जाए। साथ ही महुली स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों और स्टाफ की नियुक्ति कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सभी सेवाएं शीघ्र शुरू की जाएं। बंद पड़ी ओपीडी एवं प्रसव सेवाओं को पुनः प्रारंभ किया जाए तथा कोल्हुआ, बैजनपाठ, तेलाईपाठ, बलियरी, रसौकी सहित सभी पंडो बाहुल्य गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर प्रत्येक परिवार की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए।

सर्वसम्मति से अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष चुनी गईं मधु अग्रवाल, नई कार्यकारिणी घोषित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अग्रवाल सभा अंबिकापुर के तत्वावधान में अग्रसेन भवन में अग्रवाल महिला सभा का गठन किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया में श्रीमती मधु अग्रवाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उन्हें वर्ष 2026-2027 के लिए अंबिकापुर महिला अग्रवाल सभा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अग्रवाल सभा के अनुसार चुनाव में 38 से 58 वर्ष की महिलाओं को पात्र माना गया था। निर्वाचन अधिकारी के रूप में अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजय मित्तल, संजय अग्रवाल, मनोज जैन एवं मीडिया प्रभारी मनोज कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नाम श्रीमती मधु अग्रवाल का आया, जिसे सर्वसम्मति से

स्वीकार किया गया। सर्वसम्मति से अन्य पदाधिकारियों का भी मनोनयन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी इस प्रकार है, श्रीमती मधु अग्रवाल अध्यक्ष, श्रीमती मधु गर्ग उपाध्यक्ष, श्रीमती ममता गर्ग सचिव, श्रीमती अंजू पोद्दार सह सचिव, श्रीमती मंजू अग्रवाल कोषाध्यक्ष, श्रीमती मनीषा गोयल मीडिया प्रभारी, श्रीमती कविता अग्रवाल सलाहकार, श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती गरिमा गोयल। अंबिकापुर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि महिला मंडल समाजसेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

संकुल स्तरीय प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दतिमा। संकुल केंद्र दतिमा संयुक्त रूप से संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को तिलक लगाकर प्रवेशित बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिलाया गया प्रवेश उत्सव में शामिल बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक गणेश वितरण किया गया साथ ही बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पूरे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण जायसवाल थे। भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामानंद जायसवाल के द्वारा कार्यक्रम की

अध्यक्षता की गई विशिष्ट अतिथियों में देवा राजवाड़े सांसद प्रतिनिधि, जनपद सदस्य पंकज राजवाड़े, सरपंच ग्राम पंचायत दतिमा पिंकी सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत कुम्दा बस्ती उमा देवी, उप सरपंच समीर अंसारी, पंच शरीफ अंसारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों के द्वारा शिक्षा विकास का प्रवेश द्वार है एवं अच्छे समाज की कल्पना शिक्षा से ही की जा सकती है इस पर जोर दिया गया एवं बच्चों को प्रत्येक दिन स्कूल आने रोज गृह कार्य करने पर विशेष बल दिया गया साथ ही अभिभावक पाललों के द्वारा शासकीय योजनाओं लाभ लेने हेतु आग्रह किया गया साथ ही सभी बच्चों को रोज विद्यालय आकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया कार्यक्रम की शुरूआत अतिथि के द्वारा घंटी बजाकर स्कूल चले हम के नारों के साथ किया गया इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार सिंह द्वारा बच्चों की शिक्षा एवं परीक्षा परिणाम पर विशेष जोर दिया गया। संस्था के प्राचार्य के द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया एवं विद्यालय भवन हेतु मांग रखी गई। विद्यालय विकास हेतु प्लान तैयार किया गया विद्यालय में अध्यनरत दो बच्चों को सम्मानित किया गया तथा दो अभिभावक को भी सम्मानित किया गया।

पुलिस के द्वारा चलाया गया नशे के विरुद्ध महा जनजागरूकता अभियान'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

करंजी। सूरजपुर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन पर करंजी पुलिस ने मंगलवार को चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने-वाले समस्त पंचायतो में ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों को नवजीवन नशे के विरुद्ध महा जनजागरूकता अभियान "जिंदगी को हां और नशे को ना कहें₹ कार्यक्रम में ग्रामीणों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई साथ ही मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के तहत

सभी उपस्थित लोगों ने शपथ ली कि वे अपने दैनिक जीवन में नशा एवं मादक पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे, नशीली वस्तुओं से संबंधित किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे तथा परिवार, समाज और आस-पड़ोस के लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज, राज्य और देश को नशामुक्त बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया। इस दौरान चौकी प्रभारी करंजी विशाल मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के समग्र विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। उन्होंने युवाओं तथा ग्रामीणों से नशे से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। नशामुक्त केवल हमारे ही प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जागरूकता और सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने सभी से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाए एवं युवाओं की उपस्थिति रही।

शिक्षक चला रहे छात्रावास व आश्रम, विद्यालयों में प्रभावित हो रही पढ़ाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में आश्रम एवं छात्रावासों में वर्षों से शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। विभिन्न कन्या एवं बालक छात्रावासों में ऐसे शिक्षक, शिक्षिकाएं, प्रधान पाठक और व्याख्याता अधीक्षक अथवा अधीक्षिका के रूप में पदस्थ है। इससे कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार कन्या छात्रावास पस्ता में एक व्याख्याता अधीक्षिका के रूप में कार्यरत हैं, जबकि रामानुजनगर एवं मदनेश्वरपुर क्षेत्र के कई कन्या और बालक छात्रावासों में शिक्षक-शिक्षिकाएं अधीक्षक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन पदों पर इनकी मूल नियुक्ति हुई थी, वहां वे वर्षों से सेवाएं नहीं दे रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जिन विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है, वहां से प्रतिनियुक्ति करने के बजाय प्रभावशाली या ह्लसेटिंगह्व वाले शिक्षकों को छात्रावासों का अधीक्षक बना दिया गया। इससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कलेक्टर से शिकायत, कार्रवाई की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता विशाल दुबे ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि गैर-शैक्षणिक कार्यों में वर्षों से संलग्न शिक्षकों, प्रधान पाठकों, सहायक शिक्षकों एवं व्याख्याताओं का संलग्नीकरण समाप्त कर उन्हें उनके मूल विद्यालयों में वापस भेजा जाए। शिक्षा विभाग का मूल उद्देश्य विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, इसलिए शिक्षकों से शिक्षण कार्य ही लिया जाना चाहिए। शिक्षा से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों में वापस भेजा जाता है तो शिक्षकों की कमी दूर होगी और विद्यार्थियों को नियमित एवं बेहतर शिक्षण व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

भाजपा मंडल अध्यक्ष का स्पष्टीकरण, 'समर्पण के आधार पर मिली जिम्मेदारी'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। नगर पंचायत में तीन मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति को लेकर उठे विवाद पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने स्पष्टीकरण जारी किया है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति संगठन की प्रक्रिया और कार्यकताओं के समर्पण के आधार पर की गई है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिनेश गुप्ता, प्रदीप गुप्ता और श्रीमती मालती कश्यप को मनोनीत पार्षद का दायित्व सौंपा गया है। मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने कहा कि तीनों लंबे समय से पार्टी के समर्पित, सक्रिय एवं कर्मठ कार्यकर्ता रहे हैं। संगठनात्मक योगदान, जनसेवा और निष्ठा को

देखते हुए यह जिम्मेदारी दी गई है। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि हाल के दिनों में कुछ व्यक्तियों द्वारा इस विषय को लेकर भ्रामक एवं तथ्यहीन बातें फैलाई जा रही हैं। भाजपा मंडल लखनपुर ऐसे निराधार प्रचार का स्पष्ट खंडन करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी निर्णय निर्धारित प्रक्रिया और कार्यकताओं की योग्यता के आधार पर होते हैं। मंडल अध्यक्ष ने कार्यकताओं एवं आम नागरिकों से अफवाह या भ्रामक प्रचार पर ध्यान न देने की अपील की। कहा कि केवल पार्टी के आधिकारिक वक्तव्यों पर ही विश्वास करें। भाजपा संगठन की एकता, कार्यकताओं के सम्मान तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दिनेश बारी ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि तीनों जनप्रतिनिधि नगर पंचायत लखनपुर के विकास, जनहित एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे।

नशा मुक्त समाज और हरित पर्यावरण, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की आधारशिला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से शहर से लेकर गांवों तक पुलिस प्रशासन के द्वारा लगातार विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत मंगलवार को जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पचीरा में नशे को ना कहे जिंदगी को हां₹ कहे का संकल्प दिलाते हुए ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, शिक्षक, शिक्षिकाएं छात्र छात्राओं और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव जनपद सदस्य के मुख्य आतिथ्य में हुआ संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। संकुल केंद्र गुमगरा कला एवं गुमगरा खुर्द में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 'शाला प्रवेश उत्सव' ग्राम पंचायत गुमगरा कला के सामुदायिक भवन में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर 'शाला प्रवेश उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करना और उन्हें विद्यालयीन शैक्षिक वातावरण से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद पंचायत के सदस्य श्रीमती नीतू धर्मेन्द्र झारिया, ग्राम पंचायत गुमगरा कला के सरपंच श्रीमती कलावती, विकास खंड शिक्षा अधिकारी डी.के.गुप्ता, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी आलोक सिंह के द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन

एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। मुख्य अतिथि एवं संकुल विद्यालय परिवार की ओर से नन्हे-मुन्ने बच्चों को तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें और ड्रेस भी वितरित की गई।

मुख्य अतिथि के उद्बोधन में कहा कि बच्चे कल के भविष्य है जिसे हम जैसा रूप देंगे वैसे ही कार्य में जायेगे जिसमें शिक्षक, पालक और अभिभावक का विशेष योगदान रहता है इसी क्रम में संकुल प्राचार्य नारायण साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि ₹शाला प्रवेश उत्सव केवल बच्चों के विद्यालय में प्रवेश का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उनके स्वर्णिम भविष्य की मजबूत नींव रखने का पर्व है।₹ उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के नैतिक विकास और संस्कारों के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने भी विद्यालय द्वारा की गई स्वागत व्यवस्था और बच्चों के लिए सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण की सराहना की। उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और प्रेरणादायक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

जिला कांग्रेस का निर्णय, बूथ स्तर पर पार्टी को सुदृण करने अंतिम व्यक्ति तक पहुँचेगे कार्यकर्ता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को यहां सेवा कुंज में जिला कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के अनुभवों एवं दिशा-निदेर्शों को जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा विस्तार से साझा किया गया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि संगठन को जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर से मजबूत करते हुए गांव के अंतिम व्यक्ति तक कांग्रेस की विचारधारा एवं संगठनात्मक गतिविधियों को पहुंचाया जाएगा। कार्यकताओं से बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत शिवनंदनपुर के

नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस समर्थित पार्षदों का कांग्रेस परिवार द्वारा शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों से जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का आग्रह किया गया। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों एवं शीर्ष नेतृत्व द्वारा जारी दिशा निदेर्शों की जानकारी दी गई। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। इस मौके पर पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े, सुभाष गोयल, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल, नरेंद्र जैन, अशोक जगते, विद्यासागर सिंह, अनिल गुप्ता, संजीव श्रीवास्तव, नवीन जायसवाल, अजित यादव, त्रिभुवन सिंह, बिहारी कुलदीप, संजय सोनी, जितेंद्र दुबे, लवकेश गुर्जर, प्रदीप राजवाड़े, प्रदीप साहू, महेंद्र साहू, वेद प्रकाश मिश्रा, जगतलाल आयाम, रामकुमार बंछोर, अभिषेक श्रीवास्तव, चंद्रदत्त दुबे, हेमलता राजवाड़े, बबिता गुप्ता, लिली राजवाड़े, जरीना सुल्ताना, आनंद कुँवर, विमला सिंह, तुलसी सिंह, कमल यादव, गीता पूरी, वीणा शर्मा, रश्मि शर्मा, छंदा श्री, विमला सिंह, दीपमाला सोनी, दिव्या तांजे, प्रवेश गोयल, अंशुल गोयल, रामलाल सोनी, केबी सिंह, परमेश्वर राजवाड़े, अविनास साहू, कमलेश दुबे, संदीप शर्मा, असकरण गुप्ता, शक्ति ठाकुर, शान्तु डोसी, गिरधारी साहू, अजय सोनवानी, पारस राजवाड़े सहित जिला, ब्लॉक, मंडल एवं बूथ स्तर के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपाध्यक्ष व पार्षदो का हुआ सम्मान

जिला कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर के संपन्न हुए चुनाव में कांग्रेस पार्षद दल में निर्वाचित होकर आए पार्षदों तथा नगर पंचायत उपाध्यक्ष निर्वाचन होने पर अंशुल गोयल का जिला कांग्रेस परिवार के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत व सम्मान किया। वही निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उन्हें नगर विकास में अग्रणी रहने व अपने कार्यकाल के लिए बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। जिसमे पार्षद चंदन सिंह, हर्ष दनौदिया, विमला सिंह, बिजेंद्र सिंह, संतोष जायसवाल, दीपमाला सोनी, अहमद वाहिद का अभिनंन्दन किया गया।

सम्पादकीय

शांति के लिए आतंक की जड़ों पर प्रहार जरूरी

जम्मू-कश्मीर में केवल आतंकियों के मारे जाने से आतंकवाद समाप्त नहीं होगा। पिछले तीन दशकों का अनुभव यही बताता है कि जब तक आतंक की जड़ों पर कड़ा प्रहार नहीं होगा, तब तक नए चेहरे पुराने आतंकियों की जगह लेते रहेंगे। सीमा पार से घुसपैठ, पाकिस्तान समर्थित आतंकी ढांचा, हवाला के जरिए फंडिंग, सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथ का प्रसार और स्थानीय युवाओं की भर्ती, ये सभी आतंकवाद की वे जड़ें हैं, जिन्हें पूरी तरह उखाड़कर फेंकना जरूरी है। आतंकवाद की फैक्ट्री तभी बंद होगी, जब उसके हर स्त्रोत को एक साथ समाप्त किया जाएगा। तभी घाटी में स्थायी शांति स्थापित हो सकेगी। हाल के दिनों में सामने आई दो घटनाएं। पहली शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों का मारा जाना और दूसरी, सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारधारा वाली पुस्तकों का मिलना स्पष्ट संकेत देती हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सुरक्षा और वैचारिक, दोनों मोर्चों पर एक साथ लड़नी होगी। शोपियां में सुरक्षा बलों ने जिस सटीक रणनीति और खुफिया जानकारी के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया, वह भारतीय सुरक्षा तंत्र की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। इनमें से एक आतंकी जाकिर अहमद गनी पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी 14 मोस्ट वांटेड स्थानीय आतंकियों की सूची में शामिल था। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान ने यह साबित किया कि सुरक्षा एजेंसियां अब केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं कर रहीं, बल्कि आतंक के पूरे नेटवर्क को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी संदर्भ में सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारों से जुड़ी सामग्री मिलने का मामला भी गंभीर चिंता का विषय है। यदि शिक्षा के माध्यम से युवाओं के मन में अलगाववाद या हिंसक सोच के प्रति सहानुभूति पैदा करने का प्रयास किया जाता है, तो यह भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। प्रशासन द्वारा आठ अधिकारियों को निलंबित करना, संबंधित लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट करना और जांच के आदेश देना इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संभावित वैचारिक चुनौती के रूप में देख रही है। यदि शैक्षणिक सामग्री किसी भी रूप में हिंसा, अलगाववाद या राष्ट्र-विरोधी सोच को महिमामंडित करती है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई होना स्वाभाविक है। हालांकि, सुरक्षा के साथ विकास भी उतना ही आवश्यक है। कश्मीर के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, खेल और तकनीकी अवसर उपलब्ध कराना होगा। जिस युवा के सामने सम्मानजनक भविष्य होगा, उसके आतंकवाद के रास्ते पर भटकने की संभावना स्वतः कम होगी। स्थानीय लोगों का विश्वास जीतना, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना और विकास की गति तेज करना आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी दीर्घकालिक रणनीति है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति तभी स्थापित होगी, जब सुरक्षा बल आतंकियों पर निर्णायक प्रहार करते रहें, प्रशासन आतंक के वैचारिक और आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करे और समाज युवाओं को हिंसा के बजाय विकास का रास्ता दिखाए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत तभी होगी, जब कश्मीर की नई पीढ़ी बंदूक नहीं, बल्कि किताब, कौशल और भविष्य का चुनाव करेगी। यही स्थायी शांति का सबसे मजबूत आधार है।

डॉ. मुखर्जी की जन्म जयंती
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

निस्वार्थ सेवा और राष्ट्रवाद के अमर प्रतीक

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने।

उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिन्ह दीपक यानि मिट्टी का दीया रखा गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत

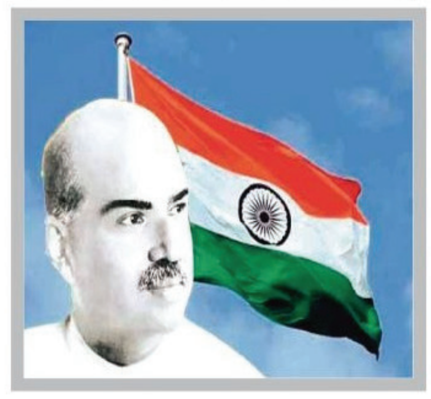

औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है।

डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। 75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया।

1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया। कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था- आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो। आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

ग्रामीण विकास दिवस
बलकार सिंह पूनियां

उपलब्धियों के बीच अधूरी विकास यात्रा

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों और महानगरों की चमक-दमक से नहीं, बल्कि उसके गांवों की सामाजिक, आर्थिक और मानवीय स्थिति से किया जाता है। गांव केवल कृषि उत्पादन के केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे संस्कृति, परंपरा, जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के आधार स्तंभ भी हैं। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 6 जुलाईको मनाया जाने वाला विश्व ग्रामीण विकास दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह स्मरण कराने का अवसर है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास नहीं होगा, तो सतत, समावेशी और न्यायपूर्ण विकास का लक्ष्य अधूरा ही रहेगा। वर्ष 2026 की थीम- 'लचीलेपन में निहितः कैसे ग्रामीण विकास गरीबी उन्मूलन, जलवायु कार्रवाई और साझा समृद्धि को बढ़ावा देता है'-वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम बताती है कि ग्रामीण विकास अब केवल कृषि तक सीमित विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि का आधार बन चुका है। आज जब दुनिया आर्थिक असमानता, जलवायु संकट, खाद्य असुरक्षा और अनियंत्रित शहरीकरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार आज भी विश्व के अत्यधिक गरीब लोगों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है। अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और बढ़ते तापमान ने कृषि आधारित अर्थव्यवस्थाओं को अस्थिर बना दिया है। इसलिए ग्रामीण विकास का अर्थ केवल सड़क, बिजली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि ऐसा सक्षम ग्रामीण समाज तैयार करना है जो संकटों का सामना करते हुए आत्मनिर्भर विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके। भारत का अनुभव इस दिशा में आशा और चुनौती-दोनों का परिचायक है। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना और सेवाओं के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाने गांवों को बेहतर संपर्क प्रदान किया, जल जीवन मिशन ने करोड़ों परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने लाखों परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए। डिजिटल इंडिया, भारतनेट, जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी पहलों ने ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन और सरकारी सेवाओं की पारदर्शिता को नई दिशा दी है। आज गांव का नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है। 'सरस' जैसे विपणन मंचों ने ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यह स्पष्ट करता है कि यदि ग्रामीण समुदायों को प्रशिक्षण, वित्त और बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो वे आत्मनिर्भर विकास का सफल मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं। फिर भी यह तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। ग्रामीण विकास की गति पूरे देश में समान नहीं है। अनेक गांव आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा, सिंचाई, डिजिटल कनेक्टिविटी, कृषि प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्षेत्रीय असमानताएं विकास की गति को प्रभावित कर रही हैं और यही असमानता समावेशी विकास की सबसे बड़ी चुनौती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है, लेकिन कृषि स्वयं अनेक संकटों से घिरी हुई है। छोटे और सीमांत किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि उनकी आय अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाई है। खेती की लागत बढ़ रही है, बाजार मूल्य अनिश्चित हैं और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़ और अत्यधिक तापमान का सीधा प्रभाव उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ रहा है। विश्व ग्रामीण विकास दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास केवल आर्थिक वृद्धि का नाम नहीं है। वास्तविक विकास वही है जो सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन, लैंगिक समानता और जनभागीदारी पर आधारित हो। आवश्यकता केवल नई योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी, पारदर्शी और सहभागितापूर्ण क्रियान्वयन की है। विकसित भारत का मार्ग गांवों से होकर ही गुजरता है। जब प्रत्येक गांव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित आजीविका, डिजिटल अवसर, जलवायु सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की सुविधाओं से जुड़ जाएगा, तभी विकसित भारत और समृद्ध विश्व का सपना साकार होगा। यही विश्व ग्रामीण विकास दिवस का सबसे बड़ा संदेश है।

उद्यमो भैरवः

संकलित
दर्शन

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेती है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है?

जमींदार और मजदूर के कर्म का फल

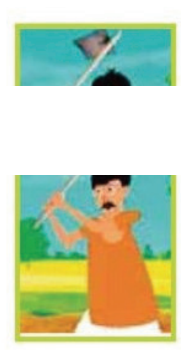

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में जमींदार और उसके एक मजदूर की साथ ही मौत हुई। दोनों यमलोक पहुंचे। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आज से तुम मजदूर की सेवा करोगे। मजदूर से कहा- अब तुम कोई काम नहीं करोगे, आराम से यहां रहोगे। जमींदार परेशान हो गया। पृथ्वी पर तो मजदूर जमींदार की सेवा करता था, पर अब उल्टा होने वाला था। जमींदार ने कहा- भगवन, आप ने मुझे यह सजा क्यों दी? मैं तो भगवान का परम भक्त हूं। प्रतिदिन मंदिर जाता था। देसी घी से भगवान की आरती करता था और बहुमूल्य चीजें दान करता था। धर्म के अन्य आयोजन भी मैं करता ही रहता था। धर्मराज ने मजदूर से पूछा- तुम क्या करते थे पृथ्वी पर? मजदूर ने कहा- भगवन, मैं गरीब मजदूर था। दिन भर जमींदार के खेत में मेहनत मजदूरी करता था। मजदूरी में उनके यहां से जितना मिलता था, उसी में परिवार के साथ गुजारा करता था। मोह माया से दूर जब समय मिलता था तब भगवान को याद कर लेता था। भगवान से कभी कुछ मांगा नहीं। गरीबी के कारण प्रतिदिन मंदिर में आरती तो नहीं कर पाता था, लेकिन जब घर में तेल होता तब मंदिर में आरती करता था और आरती के बाद दीपक को अंधेरी गली में रख देता था ताकि अंधेरे में आने-जाने वाले लोगों को प्रकाश मिले। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आपने सुन ली न मजदूर की बात? भगवान धन-दौलत और अहंकार से खुश नहीं होते। भगवान मेहनत और ईमानदारी से कमाने वाले व्यक्ति से प्रसन्न रहते हैं।

सटाका

आज की पाती

अब तो चमत्कार से ही खत्म होगा भ्रष्टाचार

हाल ही में भगवान श्री राम जी की जन्मभूमि अयोध्या मंदिर में चढ़ावे की जो गड़बड़ी की खबरें सुर्खियां बनीं, उन्होंने एक बात तो शत-प्रतिशत सिद्ध कर दी कि मानवता के दुश्मन कुछ लोगों की बुद्धि लोभ और लालच ने इस कद्र भ्रष्ट कर दी है कि लोगों को न तो भगवान की लाठी का डर रहा है और न कानून की लाठी का। ऐसे लोगों को याद रखना चाहिए कि भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं और कानून के हाथ भी बहुत लंबे हैं। बेईमानी का खेल ज्यादा दिन नहीं चलता है। हमारे देश की राजनीति, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में जो खोट आए हैं, उनका एक सबसे बड़ा कारण है भ्रष्टाचार। अब जब लोग भगवान के घर में भी भ्रष्टाचार से नहीं डर रहे हैं, तो संभावना है कि भ्रष्टाचार अब किसी चमत्कार से ही खत्म होगा।

- विनय वर्मा, टोहाना

ट्रेंड

अपूरणीय क्षति

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। उनका जाना देश की कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।
- **नितिन गडकरी**, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

सोलर एनर्जी

यह देखकर अच्छा लगता है कि रिहायशी इलाके रोजमर्रा की जिंदगी में सोलर एनर्जी को अपना रहे हैं। द्वारका में एयर फोर्स और नेवल ऑफिसर्स एन्क्लेव में 500 केवी के सोलर प्लांट का उद्घाटन, एक ज्यादा हरे-भरे, आत्मनिर्भर और विकसित दिल्ली बनाने के बढ़ते संकल्प को दिखाता है।
- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

मेहनत का सबूत

बिहार के प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को हार्दिक बधाई, जिन्होंने 15 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू करके इतिहास रचा है। इतनी कम उम्र में देश का प्रतिनिधित्व करना आपके हुनर, कड़ी मेहनत और लगन का सबूत है।
- **सम्राट चौधरी**, सीएम, बिहार

बुनियादी मानक पूरे नहीं

उत्कृष्टता' का प्रवचन देने वालों को 'डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी' को पूरा करने में 11 साल लग गये। बनाया भी तो इतने निम्न स्तर का कि उत्कृष्टता तो दूर, गुणवत्ता का एक भी बुनियादी मानक पूरा नहीं किया।
- **अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

करंट अफेयर

किम जोंग ने विध्वंसक पोत से हथियारों का परीक्षण देखा

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने नए 5,000 टन वजनी विध्वंसक पोत 'कांग कोन' पर लगी परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम क्रूज मिसाइल और अन्य हथियारों के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। 'कांग कोन' पिछले साल जलावतरण समारोह के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था और बाद में इसकी मरम्मत की गई। यह परीक्षण परमाणु हथियारों से लैस नौसेना बनाने की किम की योजना के तहत किया गया उत्तर कोरिया का नवीनतम सैन्य शक्ति प्रदर्शन है। सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने बताया कि शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में एक रणनीतिक क्रूज मिसाइल, 'कांग कोन' की मुख्य तोप और स्वचालित तोपों का परीक्षण किया गया। इसके अलावा पोत की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का परीक्षण और लक्ष्य का पता लगाने एवं सूचनाओं का विश्लेषण करने की उसकी क्षमताओं का आकलन भी किया गया। सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि किम ने तट से इन परीक्षणों का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को विध्वंसक पोत के परीक्षण पूरे कर उसे दो महीने के भीतर सेवा में शामिल किए जाने का निर्देश दिया।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है- कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है- भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

सहकारिता मंत्रालय के 5 साल पूरे

शाह बोले- पीएम मोदी के फैसले से आंदोलन को मिला नया जीवन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आज ही के दिन केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय को केंद्र सरकार में प्रस्तावित करने का काम किया था। सभी सहकारिता सदस्यों की ओर से पीएम का धन्यवाद करना चाहूंगा। पीएम के इस फैसले ने सहकारिता आंदोलन को नए चरण में ले जाने का काम किया है। 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन उपेक्षित रहा। इसे हमेशा दोयम दर्जे को जाना गया। लेकिन, पीएम ने इसे एक सदी तक आगे बढ़ाने का काम किया है और उनके एक फैसले से ही करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचा है। सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता क्षेत्र को नया प्राण देने का काम किया है।

> अमित शाह ने कहा कि 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन उपेक्षित रहा। इसे हमेशा दोयम दर्जे का माना गया। लेकिन, पीएम ने इसे एक सदी तक आगे बढ़ाने का काम किया है और उनके एक फैसले से ही करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचा है

55 हजार समितियां गांव में सेवा का केंद्र बनीं

3,000 करोड़ से पैक्स को कंप्यूटराइज किया

हम राज्य सरकार के काम में दखल नहीं दे रहे, उनकी मदद कर रहे

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह कई योजनाओं का शुभारंभ करते हुए

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जा रहा था, तब कई लोग इसका विरोध कर रहे थे। विरोधियों का कहना था कि सहकारिता मंत्रालय राज्य का विषय है। आज जब हमारा मंत्रालय पांच साल पूरा कर चुका है तो आज तक किसी भी विरोधी दल ने कोई विरोध नहीं किया। सहकारिता मंत्रालय ने यह साबित कर दिया है कि हम राज्य सरकार के काम में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी मदद के लिए हैं।

सभी पीएसी अब एक मॉडल बायलॉज में काम कर रहीं

अमित शाह ने कहा कि पूरे देश की प्राथमिक कृषि साख समित (पीएसी) अब एक ही मॉडल बायलॉज के तहत काम कर रही हैं। 300 विभिन्न गतिविधियों को 55,000 पैक्स के माध्यम से हम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवाएं दे रहे हैं। 39,000 पैक्स किसान समृद्धि केंद्र बन चुके हैं। 600 से अधिक पैक्स जन औषधि केंद्र बन चुके हैं। 75 पैक्स पेट्रोल और डीजल के खुदरा आउटलेट चला रहे हैं। 118 पैक्स जल आपूर्ति योजनाओं का रखरखाव कर रहे हैं। भारत सरकार ने 3,000 करोड़ रुपए खर्च करके पैक्स को कंप्यूटराइज करने का काम किया है।

जैविक डीएपी से खेतों को होगा लाभ

शाह ने कहा कि हम शुगर और डेयरी क्षेत्र में 100% सर्कुलर इकोनॉमी ला रहे हैं। इसके माध्यम से डीएपी का विकल्प बनने वाला खाद तैयार होगा। यह देसी खाद डीएपी से सस्ता और गुणवत्ता में बेहतर होगा, जो खेतों को अधिक लाभ पहुंचाएगा। लगभग 20% कृषि ऋण, 35% उर्वरक वितरण, 31% चीनी उत्पादन आज सहकारिता के माध्यम से हो रहा है। सभी राज्यों के डेयरी फेडरेशनों से आग्रह करता हूं कि अगले दो वर्षों में दूध देने वाले किसानों की संख्या में कम से कम 35% की वृद्धि का लक्ष्य रखें।

किसानों को शुद्ध बीज मिलेंगे

अमित शाह ने कहा कि बीज उत्पादन के क्षेत्र में हमने जो राष्ट्रीय सहकारी समिति स्थापित की है, वह आने वाले तीन वर्षों में भारत की सबसे बड़ी गैर-सरकारी बीज उत्पादन संस्था बनकर उभरेगी। इसके माध्यम से तीन उद्देश्यों पर कार्य किया जा रहा है: पहला- किसानों को शुद्ध एवं मिलावट-मुक्त बीज उपलब्ध कराना, दूसरा- अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत बीज किस्मों का विकास और वितरण और तीसरा- भारतीय पारंपरिक बीजों का संरक्षण।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०./20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनील कुमार आ०/पति स्व० श्री जगदीश राय अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी राम मंदिर मैदान अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-मनेन्द्रगढ़ रोड़, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3/28 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनील अग्रवाल आ०/पति स्व० श्री जगदीश राय अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी राम मंदिर मैदान अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला राम मंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4813/3 रकबा 0.03 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक /आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती विनीता साहू आ०/पति राकेश साहू जाति तेली, निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि 3467/4866/252 रकबा 2530 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनील अग्रवाल आ०/पति स्व० श्री जगदीश राय अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी राम मंदिर मैदान अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला राम मंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4813/21 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनील कुमार आ०/पति स्व० श्री जगदीश राय अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी राम मंदिर मैदान अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1037/7 रकबा 598.95 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाषचन्द्र बंसल आ. कशमीरी लाल अग्रवाल व अन्य जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4564/10, 2798/2, 2799/2, 2792/42, 2792/11, 2792/22 रकबा 0.025, 0.038, 0.008, 0.026, 0.028, 0.023 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा दिनांक 25.07.2024 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 20/07/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनाक 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका महेन्द्र कुमार साहू आ०/पति साधु राम साहू, जाति, निवासी आकाशवाणी कॉलोनी अम्बिकापुर द्वारा- मुख्तारआम- अश्विनी कुमार साहू आ० स्व० सुखराम साहू, निवासी दित्यानगर, सेक्टर-2 नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 671/5 रकबा 0.14 1/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 16/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 01/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

मुंबईः मानखुर्द में मकान ढहने से छह की मौत, एक घायल

मुंबईः मानखुर्द के जनता नगर इलाके में रविवार रात बड़ा हादसा हो गया। जनता नगर स्थित हनुमान मंदिर के पीछे चॉल नंबर-5 में ग्राउंड प्लस तीन मंजिला संरचना का एक हिस्सा अचानक ढह गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में दो से तीन झोपड़ीनुमा मकान मलबे में दब गए। आशंका जताई गई कि कई लोग मलबे के नीचे फंसे हुए थे। घटना रात करीब 8:30 बजे हुई। हादसे की सूचना मिलते ही बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) का अग्निशमन दल, स्थानीय पुलिस, संबंधित वार्ड का स्टाफ तथा 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं फतिमा डहेरिया (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी शहर / गाँव कुमेकेला, तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-फतिमा डहेरिया (पुराना नाम) से बदल कर फतिमा (नया नाम) रख लिया है।

गैर मान्यता विद्यालयों पर कार्यवाही की मांग को लेकर शिक्षकों ने डीएम, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह तथा जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में सोमवार को शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विभिन्न मागों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जनपद में संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्रवाई, जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों के पारिश्रमिक का भुगतान तथा बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने कहा कि जनपद में बड़ी संख्या में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित हो रहे हैं। शासन के स्पष्ट निदेशों के बावजूद इन विद्यालयों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होने के साथ ही परिषदीय विद्यालयों के नामांकन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संगठन ने मांग की कि सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को तत्काल बंद कर उनके संचालकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए। शिक्षकों ने जनगणना कार्य पूरा कर चुके शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों के प्रशिक्षण मानदेय और पारिश्रमिक का शीघ्र भुगतान कराने की मांग उठाई। संगठन का कहना है कि कई जनपदों में भुगतान हो चुका है, जबकि बस्ती में अभी तक संबंधित कार्मिकों को धनराशि प्राप्त नहीं हुई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्रवाई, नामांकन के नाम पर शिक्षकों को बार-बार नोटिस जारी कर मानसिक उत्पीड़न बंद करने, कंपोजिट ग्रांट से जुड़े अनावश्यक अभिलेखों की मांग समाप्त करने, चयन एवं प्रोन्नति वेतनमान की प्रक्रिया समयबद्ध करने, वरिष्ठता सूची प्रकाशित करने, टैबलेट सिम की इंटरनेट सेवा बहाल कराने तथा पेयर विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई।

मानसून के प्रभाव को और बढ़ाने वाली तेज हवाओं के कारण नवी मुंबई में 65 पेड़ गिर गए

नवी मुंबई : रविवार को शहर भर में एक दिन से भी कम समय में लगभग 65 पेड़ गिर गए, जिससे यातायात बाधित हुआ, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) के अग्निशमन और आपदा प्रबंधन दल लगातार सतर्क रहे। रविवार को सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच शहर में अपेक्षाकृत कम 35.32 मिमी बारिश हुई, लेकिन इससे पहले पिछले 24 घंटों में 210.76 मिमी की भीषण बारिश दर्ज की गई थी, जिससे जमीन जलमग्न हो गई और पेड़ों की जड़ें कमजोर हो गईं। जलभराव वाली मिट्टी और तेज हवाओं के संयोजन से विभिन्न क्षेत्रों में दर्जनों पेड़ उखड़ गए। रविवार को भी यात्रियों को भारी देरी का सामना करना पड़ा क्योंकि नागरिक दल सड़कों को अवरुद्ध करने वाले विशाल वृक्षों और शाखाओं को हटाने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर दौड़ते रहे। अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के आपातकालीन कर्मियों ने सामान्य यातायात व्यवस्था बहाल करने और आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दिन भर निरंतर कार्य किया। अधिकारियों ने कहा कि पेड़ों के गिरने की असामान्य रूप से अधिक घटनाएं मुख्य रूप से रुक-रुक कर होने वाली बौछारों के साथ चलने वाली तेज हवाओं के कारण थीं, न कि केवल भारी बारिश के कारण।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार ताम्रकार आ.स्व. हरिहर साव, उम्र 60 वर्ष जाति ठठेरा, निवासी तिवारी बिल्डिंग रोड, जोड़ा पीपल अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा सदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि आवेदक एवं अनावेदकगण मटुकधारी ताम्रकार आ.स्व. हरिहर साब वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 02 मोहल्ला केदारपुर स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 298/1, 300 रकबा क्रमशः 0.06 1/2, 0.06 एकड़ भूमि स्थित है। उक्त भूखण्ड क्र. 298/1 में से रकबा 1372.14 वर्गफीट एवं भूखण्ड क्र. 300 में से रकबा 1241.46 वगफीट भूमि का पंजीबद्ध हकत्याग पत्र दिनांक 20.04.2026 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध हकत्याग० पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण किये जाने हेतु पंजीबद्ध हकत्याग विलेख दिनांक 20/04/2026 की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-17 /07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-02/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०
रा०मा०क्र०-/अ-27/2025-26
ग्राम- ककना प०ह०नं० - उप तह० बरियों
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम ककना प०ह०नं०- उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदिकागण प्रमिला आ० स्व० गोविन्द, मीरा आ० स्व० गोविन्द, चंदा आ० स्व० गोविन्द, सुमन आ० स्व० गोविन्द सभी निवासी ग्राम ककना तहसील राजपुर के द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार आवेदिकागण एवं अनावेदकगण राजीत आ० नान्हु, चौथीन बाई आ० नान्हु जाति बरगाह के संयुक्त खाते की भूमि ग्राम ककना में खसरा नम्बर-166/1, 326/1, 327/1, 457/1, 458, 636, 648/26, 1125, 1126, 1127, 1508/1 रकबा 0.170, 0.406, 0.381, 0.148, 0.081, 0.324, 0.550, 0.081, 0.388, 0. 09, 0.206 हे० भूमि स्थित है। उक्त भूमि का उभयपक्ष के मध्य 1/3 अंश में खाता विभाजन बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त भूमि में बंटवारा किये जाने हेतु उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक-17/07/2026 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-30/6/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील बरियों

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बेचू राम आ० रामवृक्ष गुप्ता, निवासी रायगढ़ रोड ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 161/1 रकबा 0.858 हे० भूमि भूमिस्वामी हक की भूमि है, जिसके राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश शासकीय भूमि अंकित हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/07/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० 202606021700033/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुक आ० कुलेश्वर प्रसाद, व अन्य 05. निवासी ग्राम विशुनपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम ठाकुरपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 621 रकबा 0.110 हे0 में से 0.042 हे० भूमि आवेदकगण के आवास हेतु नये मकान के निर्माण तथा आवेदक क्र0 04 के ईलाज हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका सविता एक्का पति रीझन एक्का, निवासी म०नं० 128/2 कुसमी, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को रू0 26,25,000/- (छब्बीस लाख पच्चीस हजार रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/07/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 03/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20 (1)/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विजय कुमार तिवारी आ०/पति राधिका प्रसाद तिवारी जाति निवासी वार्ड क्रमांक 12, मकान नं0 66 महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड, तहसील प्रतापपुर, जिला सूरजपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 255/3, 256/4 रकबा 0.00 3/4, 0.03 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 16/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/ 121 वर्ष
ग्राम कुसमुसी प.ह.न. 11
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजधनी पिता रामबकस जाति गड़ेरी निवासी ग्राम कुसमुसी प.ह.न. 11 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / अम्बिकापाल आ० राजधनी का जन्म / दिनांक 21/03/2014 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/अम्बिकापाल

का जन्म / पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 08/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 24/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अजीत पाण्डेय आ०/ पति रामलखन पाण्डेय जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 137/2, 138/7 रकबा 0.01 3/4, 0.04 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुज
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका मीनू अग्रवाल आ०/पति ईश्वर चन्द्र अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी राम मंदिर मैदान अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1037/1, 1038/1 रकबा 2014.54, 2178 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी समस्याएं, आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

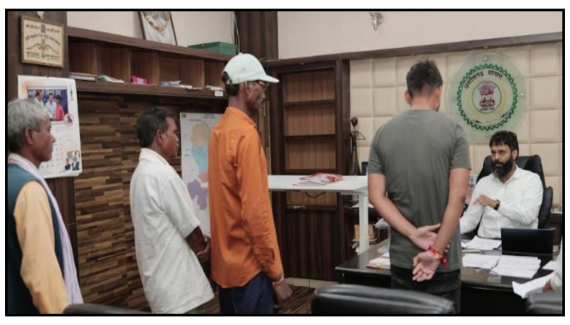

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर व्यास ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनदर्शन में आमजन ने अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। आज आयोजित जनदर्शन में कुल 35 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मुख्य रूप से राजस्व संबंधी प्रकरण, पेयजल, सड़क, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, अधोसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़ी मांगें एवं समस्याएं शामिल थीं। कलेक्टर व्यास ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर उनका समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है, इसलिए प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी संबंधित आवेदकों को समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें अपने प्रकरण की स्थिति की स्पष्ट जानकारी मिल सके। कलेक्टर ने विशेष रूप से जनसुविधाओं से जुड़े मामलों जैसे पेयजल, सड़क, स्वच्छता तथा शासकीय योजनाओं के लाभ से संबंधित प्रकरणों पर गंभीरता से कार्रवाई करने पर जोर दिया।

एसआईएस लिमिटेड में 150 पदों पर भर्ती, 22 हजार तक वेतन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। भारत की अग्रणी सुरक्षा कंपनी एसआईएस लिमिटेड द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के स्नातक बेरोजगार युवाओं के लिए 150 जीटीओ सुरक्षा अधिकारी संवर्ग के पदों पर भर्ती की जाएगी। चयन प्रक्रिया 11 जुलाई से 14 जुलाई 2026 तक भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं ग्लोबल इंडिया स्किल डेवलपमेंट की तरफ से एस.आई.एस. के संयुक्त तत्वाधान में पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत एसआईएस प्रशिक्षण केन्द्र, लाइवलीहुड महाविद्यालय, बॉयज छात्रावास, डोडकाचौरा कार्यालय में आयोजित की जाएगी। एसआईएस के कमांडेंट श्री कुमार शिवेन्द्र ने बताया कि अभ्यर्थी का स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम ऊंचाई 167.5 सेंटीमीटर एवं आयु सीमा 21 वर्ष से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान ही अभ्यर्थियों को 33 हजार से 40 हजार रुपये समग्र लागत वेतन प्रति माह दिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को पेंशन, उपदान, कर्मचारी राज्य बीमा, समूह बीमा, चिकित्सा, आवास, दो बच्चों को भारतीय पुलिस सेवा विद्यालय देहरादून में शिक्षा की सुविधा, अंश वितरण, यात्रा भत्ता एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। नियुक्ति संपूर्ण भारत स्तर पर सभी स्थानों पर प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी २२ल्र्ल्र्ल्न्नि एवं जॉब एट एसआईएस फेसबुक पेज के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र 7004623515 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

पिकनिक मनाने गए एसईसीएल कर्मी की नदी में डूबकर मौत, 24 घंटे बाद मिला शव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सतरेंगा में पिकनिक मनाने गए एसईसीएल कर्मी की नदी में डूबने से मौत हो गई। नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने 24 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सोमवार देर शाम युवक का शव बरामद किया। हादसे के बाद परिवार में शोक की लहर है। मृतक की पहचान कोरबा निवासी सुभांशु ध्रुव (24 वर्ष) के रूप में हुई है। रविवार को सुभांशु पांच दोस्तों के साथ सतरेंगा घूमने गया था। नदी में बने टापू तक जाते समय सुभांशु ने वापस लौटने का फैसला किया, लेकिन इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया, पर सफलता नहीं मिली। श्यांग और लेमरू थाना पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन रात होने और तेज बहाव के कारण रविवार को रेस्क्यू रोकना पड़ा। सोमवार सुबह से नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने दोबारा अभियान चलाया। देर शाम सुभांशु का शव नदी से निकाला गया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। चार साल पहले पिता का निधन होने के बाद सुभांशु को अनुकंपा नियुक्ति पर एसईसीएल में नौकरी मिली थी। वह ढाई साल से एसईसीएल कोरबा क्षेत्र की सेंट्रल वर्कशॉप में कार्यरत था। परिवार का एकमात्र कमाने वाला होने से उसकी असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बारिश के मौसम में नदी-नालों में जलस्तर और बहाव तेज है। पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने लोगों से गहरे पानी में न जाने और चेतावनी बोर्ड का पालन करने की अपील की है।

कैसरगंज तहसील को मिली आधुनिक रोवर मशीन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बहराइच। तहसील कैसरगंज को भूमि की पैमाइश एवं सीमांकन कार्य को अधिक पारदर्शी, सटीक और तेज बनाने के उद्देश्य से आधुनिक रोवर मशीन उपलब्ध कराई गई है। इस अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से किसानों और आमजन को खेतों की नाप-जोख में पहले की तुलना में अधिक सुविधा मिलेगी तथा राजस्व संबंधी कार्यों का निष्पादन भी तेजी से किया जा सकेगा।रोवर मशीन का परीक्षण तहसील परिसर में नायब तहसीलदार हुजूरपुर विषेश्वर शर्मा एवं मशीन टेक्निशियन की मौजूदगी में सफलतापूर्वक किया गया। परीक्षण के दौरान मशीन की कार्यप्रणाली, सटीकता और उपयोगिता का प्रदर्शन किया गया।राजस्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस मशीन के माध्यम से खेतों की पैमाइश कम समय में अधिक सटीकता के साथ की जा सकेगी। इससे सीमांकन विवादों के निस्तारण में भी सुविधा मिलेगी और किसानों को बार-बार होने वाली पैमाइश की समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है। रोवर मशीन के उपयोग से राजस्व विभाग के कार्यों में तकनीकी दक्षता बढ़ेगी और भूमि संबंधी मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

'अब लाइन नहीं, सीधे मिल रही खाद', सुशासन में किसानों को तय दाम पर खाद और बीज उपलब्ध

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानो को मिल रहा है खाद और बीज। जिले के हर किसान को अच्छे और किफायती दामों में खेती किसानी करने के लिए खाद उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे किसानों को काफी सहूलियत मिल रही है। जिले समेत अन्य ग्राम पंचायतों और ब्लॉकों में खाद वितरण का काम सुचारू रूप से किया जा रहा है। प्रतिदिन किसान अपनी स्थानीय सोसायटी से खाद, यूरिया तथा अन्य खेती के लिए लगने वाली सामग्री कम कीमतों में ले जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि पहले हमें सभी सामग्री के लिए हर दुकानों में जाना पड़ता था, जहां हमें महंगे दामों में सामान मिलता था। इस बार काफी सहूलियत मिल रही है। अब किसानी के लिए न ही ब्याज में पैसे लेने पड़ते हैं और न ही किसी भी प्रकार का लोन लेना पड़ता है, जिससे हमारी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। छत्तीसगढ़ शासन हमारी सहायता हर प्रकार से कर रही है जिससे किसानों को फायदा हो रहा है। खाद लेने पहुंची महिला किसान मंजुला भगत ने हमें बताया कि वह पहले यूरिया तथा खाद के लिए दर-दर भटकती थीं। तब भी उन्हें कहीं सस्ते दामों में सारी सामग्री नहीं मिल पाती थी। छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल

से हमें किसानी करने में काफी मदद मिल रही है, जिससे घर की स्थिति में भी काफी सुधार आया है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले सामान जुटाने के लिए हमें ब्याज में पैसे उठाने पड़ते थे, जिसके कारण हमारे सिर पर हमेशा कर्ज का डर बना रहता था। सरकार की इस योजना ने हमारा काम बहुत आसान कर दिया है। महिला किसान मंजुला भगत ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि ष्विष्णु राज में किसान सच में खुशहाल हैं।

दुकानों से कम कीमत में मिल रहा है सामान

किसानों ने बताया कि जो खाद-बीज उन्हें बाहर लेने में महंगे दामों में मिलता था, अब सरकार की इस परियोजना के तहत उन्हें कम दामों में मिल रहा है। शासन द्वारा उन्हें केवल प्रति बोरी यूरिया का मूल्य 266.50 रुपये, डीएपी 1350 रुपये, सुपर फास्फेट पाउडर 551 रुपये, सुपर फास्फेट दानेदार 591 रुपये, जिंकेटेड सुपर फास्फेट 576 रुपये, टीएसपी 1300 रुपये, एनपीके 1850 रुपये, एनपीके 1990 रुपये तथा पोटाश 1975 रुपये में मिल रही है।

पीएम आवास-स्वनिधि की धीमी रफ्तार पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, बगीचा-कोतबा सीएमओ को फटकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के पांचों नगरीय निकायों- जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, बगीचा एवं कोतबा के सीएमओ की समीक्षा बैठक ली। प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि और नगरीय निकायों के विकास कार्यों की प्रगति पर नाराजगी जताते हुए सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण पूरा करने के निर्देश दिए।

पीएम स्वनिधि से स्ट्रीट वेंडरों को जोड़ने पर जोर

कलेक्टर ने पीएम स्वनिधि योजना में लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण की जानकारी ली। सभी नगरीय निकायों को विशेष शिविर लगाकर अधिक से अधिक पात्र स्ट्रीट वेंडरों को लाभ दिलाने को कहा। लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कर समय पर ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पीएम आवास, बगीचा-कोतबा की धीमी प्रगति पर फटकार

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 एवं 2.0 की समीक्षा में कलेक्टर ने स्वीकृत, पूर्ण, प्रगतिरत, अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों की निकायवार जानकारी ली। बगीचा एवं कोतबा में धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जताई। अधिकारियों को हितग्राहियों से नियमित संपर्क कर निर्माण में तेजी लाने को कहा। नींव, लिंटल और छत स्तर तक पहुंचे कार्यों की अलग-अलग समीक्षा कर हर चरण में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विकास कार्यों में लापरवाही न हो

कलेक्टर ने सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइट, सड़क निर्माण, ऑडिटोरियम, नाली निर्माण, सामुदायिक भवन व पेयजल परियोजनाओं की प्रगति देखी। कहा कि नगरीय क्षेत्रों में बेहतर आधारभूत सुविधाएं शासन की प्राथमिकता है। सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब न हो। सभी सीएमओ को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आम नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने को कहा।

जिले में शुरू हुआ मत्स्य बीज उत्पादन, अनुदान पर मिलेगा किसानों को स्पॉन और जाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली पालन विभाग द्वारा मत्स्य बीज उत्पादन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस वर्ष मछली पालन विभाग, जिला जशपुर को 1000 लाख स्पॉन उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध अब तक 80 लाख स्पॉन का उत्पादन किया जा चुका है। वहीं 140 लाख स्टैंड फाई उत्पादन का कार्य प्रगति पर है। विभाग द्वारा जिले के चयनित 20 अनुसूचित जनजाति एवं 5 अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को मौसमी तालाबों में स्पॉन संवर्धन योजना के अंतर्गत निःशुल्क मत्स्य बीज स्पॉन, सरसों खली तथा जाल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। मछली पालन विभाग ने बताया कि शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बधिमा (जशपुर) में स्पॉन 650 रुपये प्रति लाख की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं स्टैंड फाई/फिंगरलिंग पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। अर्थात 4,000 रुपये के मत्स्य बीज पर हितग्राही को 2,000 रुपये की छूट प्रदान की जाएगी। जिले के शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बधिमा (जशपुर), शासकीय मत्स्य बीज संवर्धन प्रक्षेत्र मटासी (कुनकुरी), शासकीय मत्स्य बीज संवर्धन प्रक्षेत्र पालीडीह (पत्थलगांव) तथा शासकीय मत्स्य बीज संवर्धन प्रक्षेत्र कुरोंग (बगीचा) में मत्स्य कृषकों को स्टैंड फाई एवं फिंगरलिंग का वितरण एवं विक्रय किया जा रहा है। मत्स्य बीज प्राप्त करने के इच्छुक मत्स्य कृषक शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बधिमा (जशपुर) एवं मटासी (कुनकुरी) के लिए सहायक मत्स्य अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा (मो. 9977789988), पालीडीह (पत्थलगांव) के लिए सहायक मत्स्य अधिकारी रविशंकर (मो. 9244520073) तथा कुरोंग (बगीचा) के लिए मत्स्य निरीक्षक अभिनीत कुमार सिंह (मो. 7999565025) से संपर्क कर मत्स्य बीज प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश, राजस्व से लेकर टीकाकरण तक हुई समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं समय-सीमा अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित न रखा जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर प्रदीप साहू सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्व प्रकरणों के लिए बनेगी कार्ययोजना

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकतर समस्याएं राजस्व मामलों से जुड़ी हैं। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा जैसे प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

बारिश के मौसम को देखते हुए जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों व जलप्रपात क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहा। फिसलन भरी चट्टानों व जोखिम वाले क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगाने, बैरिकेडिंग करने और पर्यटकों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के निर्देश दिए, ताकि दुर्घटना रोकी जा सके।

वज्रपात से बचाव के लिए चलेगा अभियान

जशपुर वनांचल क्षेत्र होने से वर्षा ऋतु में वज्रपात की संभावना पर कलेक्टर ने व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा। स्कूलों, अस्पतालों, आश्रम-छात्रावासों व शासकीय भवनों में तड़ित चालक (लाइटनिंग अरेस्टर) स्थापित करने की कार्ययोजना बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बचाव के उपायों का प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया।

एचपीवी टीकाकरण में तेजी लाने के निर्देश

किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी पात्र बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने को कहा। अभिभावकों को जागरूक करने और कन्या छात्रावासों व विद्यालयों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

माई भारत पोर्टल पर युवाओं का पंजीयन बढ़ाने पर जोर

मेरा युवा भारत (माई भारत) अभियान के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक भी हुई। कलेक्टर ने बताया कि 1 जुलाई से 15 अगस्त तक विशेष पंजीयन अभियान चल रहा है। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक युवाओं का माई भारत पोर्टल पर पंजीयन कराने को कहा। स्कूलों-महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक कर विद्यार्थियों को जोड़ने और युवा सहभागिता वाले कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

07 जुलाई को जिले में 366.7 मिमी औसत वर्षा

जशपुरनगर। जिले में 01 जून से 07 जुलाई तक 1996.9 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 07 जुलाई तक सामान्य औसत वर्षा 2708.8 मिमी हुई है, जो सामान्य का 73.7ः है। बीते दिवस जिले में 366.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसीलवार वर्षा इस प्रकार हैरू तहसील जशपुर में 202.4 मिमी, मनोरा में 290.6 मिमी, कुनकुरी में 242.1 मिमी, दुलदुला में 173.2 मिमी, फरसाबहार में 123.4 मिमी, बगीचा में 135.3 मिमी, कॉसाबेल में 200.5 मिमी, पत्थलगाँव में 209.1 मिमी, सन्ना में 276.1 मिमी एवं बागबहार में 144.2 मिमी वर्षा हो चुकी है। 07 जुलाई को सर्वाधिक वर्षा कुनकुरी तहसील में 54.5 मिमी दर्ज की गई। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 11574.8 मिमी के मान से अब तक 73.7ः वर्षा हो चुकी है।

जिले में 6 और प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित करने की स्वीकृति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। परिवहन मुख्यालय, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के निदेर्शानुसार जिले में अधिकाधिक प्रदूषण जांच पीयूसी केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ के द्वारा जशपुर जिले में कुल 10 प्रदूषण जांच केन्द्र खोले जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में जिले में वाहनों के प्रदूषण जांच के लिए 04 केन्द्र स्थापित हैं। आमजनों की सुविधा के लिए जिले के ऑयल रिटेल आउटलेट्स यानी पेट्रोल पम्प, वाहन विक्रेताओं, परिवहन सुविधा केन्द्रों एवं इच्छुक व्यक्तियों को प्रदूषण जांच केन्द्र स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। परिवहन मुख्यालय के निदेर्शानुसार पेट्रोल पम्पों पर स्थापित होने वाले केन्द्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

31 जुलाई तक कृषक कते है डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए आवेदन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारपूर्ण कार्य करने वाले कृषकों को डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र कृषक निर्धारित आवेदन पत्र भरकर उप संचालक कृषि कार्यालय, जशपुर अथवा अपने संबंधित विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में कृषि विभाग से प्राप्त किया जा सकता है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर आत्मा एवं उप संचालक कृषि, जशपुर ने जिले के पात्र कृषकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से 2.5 एकड़ शासकीय भूमि हुई अतिक्रमण मुक्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार अवैध अतिक्रमण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी कड़ी में विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी श्री अभिषेक गुप्ता के मार्गदर्शन में राजस्व एवं संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम भैंसामुंडा एवं राधाकृष्णनगर में 2.5 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

साप्ताहिक बाजार की सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए लगभग 2.5 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। अतिक्रमण हटने से बाजार के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो गया है, जिससे दुकानदारों और ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा साप्ताहिक बाजार का संचालन अधिक व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से किया जा सकेगा।उक्त कार्रवाई सार्वजनिक उपयोग की शासकीय भूमि के संरक्षण और ग्रामीण बाजार व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने अधिकारियों को सार्वजनिक उपयोग की शासकीय भूमि की नियमित निगरानी करते हुए अतिक्रमण की स्थिति में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने आमजनो से भी शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

रामेश्वरनगर स्कूल पहुंचीं कलेक्टर ने बच्चों से किया आत्मीय संवाद

0 परखा बच्चों का ज्ञान, विद्यार्थियों की प्रतिभा से प्रभावित हुई कलेक्टर

0 पढ़ाई के लिए किया प्रेरित बोलीं- शिक्षा उज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को धरातल पर परखने और शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के रामेश्वरनगर प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में आकस्मिक दस्तक दी। शाला पहुंचने पर उन्होंने पहली से लेकर सातवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों से पढ़ाई को लेकर आत्मीय संवाद किया और बच्चों के बीच बैठकर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने उपस्थित शिक्षकों से इस संबंध में विस्तृत जानकारी ली कि सभी बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ गणवेश समय पर प्राप्त हुए हैं अथवा नहीं। उन्होंने शालेय अभिलेखों, बच्चों की उपस्थिति एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था का भी बारीकी से अवलोकन किया।

संवाद के क्रम में कलेक्टर ने इंग्लिश के पाठ का वाचन कराया, गणित के सवाल पूछे, कक्षा तीसरी के बच्चों से पूछा कि देश के प्रधानमंत्री कौन हैं। इस पर एक विद्यार्थी ने बिना किसी झिझक के नरेंद्र मोदी का नाम लेकर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को प्रभावित किया। इसके पश्चात बच्चों ने एक-एक कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने विद्यार्थियों को जिले से लेकर राज्यों के नाम लिखने का टास्क दिया। बच्चों ने जिला सूरजपुर से शुरुआत करते हुए अंबिकापुर, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश सहित अन्य जिलों एवं प्रदेशों के नाम बड़ी सहजता से ब्लैक बोर्ड लिखकर दिखाया। सभी बच्चों ने बखूबी जिले और राज्यों के नाम लिखकर कलेक्टर सहित उपस्थित अधिकारियों को प्रभावित किया और इस बात की पुष्टि की कि शिक्षा का प्रसार आज गांव-गांव तक हो चुका है।

बच्चों की जिज्ञासा एवं आत्मविश्वास से प्रसन्न होकर कलेक्टर श्रीमती जमील ने उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि पढ़ाई ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। लगन और अनुशासन के साथ पढ़ने वाला हर विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकता है। आप सब खूब पढ़ें, आगे बढ़ें और अपने माता-पिता, गांव तथा जिले का नाम रोशन करें।उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा अपने शिक्षकों से हर विषय को समझते हुए पढ़ने की सीख दी।

बच्चो की बुनियादी दक्षता पर दें विशेष ध्यान

इस अवसर पर कलेक्टर ने बच्चों के शिक्षा स्तर को और अधिक बेहतर बनाने, पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए उपस्थित संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे की बुनियादी दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें विशेष सहयोग प्रदान किया जाए। कलेक्टर ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि शिक्षण कार्य रुचिकर एवं गतिविधि आधारित हो, ताकि बच्चों में सीखने के प्रति उत्साह बना रहे। साथ ही उन्होंने बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, समय पर पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश वितरण, तथा शालेय भवन एवं परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं पाठ्येतर कार्यक्रमों को नियमित रूप से संचालित करने पर बल दिया, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान शाला परिसर में जर्जर अवस्था में पुराने भवन भी दिखे, भविष्य की घटना को दृष्टिगत रखते हुए, कलेक्टर ने पंचायत से प्रस्ताव पारित करा के इन्हें डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए।

हाथीपांव से गंभीर प्रभावित मरीजों को मिलेगी आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा

जिला मेडिकल बोर्ड जारी कर रहा अपंगता प्रमाण पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया से ग्रसित गंभीर मरीजों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक विशेष पहल की जा रही है। जिले के ऐसे मरीज, जो फाइलेरिया के एडवांस स्टेज के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हैं और अपने दैनिक कार्य करने में असमर्थ हैं, उन्हें अब दिव्यांगता की श्रेणी में शामिल कर उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार किया जा रहा है, ताकि वे शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैकरा ने बताया कि फाइलेरिया से प्रभावित मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य अमला लगातार फील्ड में कार्य कर रहा है। चिकित्सीय बोर्ड के नियमानुसार जिन मरीजों में संक्रमण के कारण 40 प्रतिशत या उससे अधिक की अपंगता पाई जा रही है, उन्हें त्वरित रूप से यह प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। इसी क्रम में भैयाथान के दो हाथीपांव मरीज दिल साय एवं बाबुलाल को जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. दीप कुमार एवं सलाहकार विवेक सदन नाविक ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए जिले के सभी नागरिकों, मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से अपील की है कि यदि उनके क्षेत्र में हाथीपांव अथवा अंडकोष में सूजन से पीड़ित कोई भी व्यक्ति हो, तो उसकी सूचना तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को दें।प्रभावित मरीज अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला अस्पताल अथवा करीबी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर सकते हैं। पीड़ितों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, सर्जन डॉ. संदीप जायसवाल, अस्पताल सलाहकार निलेश गुप्ता, श्रीमती अर्जना सोनी एवं एमटीएस सी.के. माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रथम जिला कार्यसमिति बैठक एवं प्रबुद्ध जन सम्मेलन संपन्न

संगठन की मजबूती, पिछड़ा वर्ग के उत्थान और विकसित भारत के संकल्प पर हुआ मंथन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय अटल कुंज में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रथम जिला कार्यसमिति बैठक एवं प्रबुद्ध जन सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया गया।

प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत-अशोक

इस दौरान अपने संबोधन में मुख्य अतिथि एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। पिछड़ा वर्ग समाज देश और प्रदेश के विकास का मजबूत आधार है। संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाकर सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सामाजिक समरसता, सेवा और निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता-लक्ष्मी

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तेजी से धरातल पर उतार रही है। सरकार की प्राथमिकता गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा एवं पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीण विकास की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह , एवं कुछ आवश्यक टिप्स भी दिए।

सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण भाजपा का मूलमंत्र- चिंतामणि

सांसद चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण है। संगठन और कार्यकर्ता जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही भाजपा के कार्यशैली की पहचान है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा जरूरतमंदों तक इसका सम्पूर्ण लाभ पहुंचाने का आग्रह किया।

संगठन की मजबूती सबसे बड़ी पूंजी

संबोधन की अगली कड़ी में वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा व भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने अपने-अपने संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देने और समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यकर्ता को रहना होगा सक्रिय-भूलन

विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सदैव सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करते हैं। संगठन के विस्तार और जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय रहना होगा तथा समाज के हर वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहना चाहिए। प्रदेश महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा उपकार चंद्राकर ने बताया कि कार्यसमिति बैठक संगठन की दिशा और कार्ययोजना तय करने का महत्वपूर्ण मंच है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा समाज के बीच लगातार सक्रिय रहकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगा।

संबोधन के अंतिम चरण में सभाग प्रभारी होरीलाल सिन्हा ने कहा भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, समर्पण और संगठनात्मक सक्रियता बनाए रखने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेता एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रामकृपाल साहू ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की विचारधारा, सामाजिक समरसता तथा सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने पर बल दिया। मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामानंद जायसवाल ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि कार्यसमिति बैठक से संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया तथा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। संबोधन पश्चात उपस्थित प्रबुद्ध जनों को अतिथियों के द्वारा साल श्रीफल से सम्मानित किया गया

कार्यक्रम का संचालन एवं समापन संगठनात्मक चर्चा के साथ हुआ। इस अवसर पर शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह, सुरेंद्र राजवाड़े, सत्यनारायण जायसवाल, विजय राजवाड़े, राजेश्वर तिवारी, रितेश जायसवाल, दीपक गुप्ता, कपिल पाण्डेय, श्रीमती स्वाति सिंह, संत सिंह , नीरज गुप्ता,महेंद्र ठाकुर, महेश जायसवाल, परमानंद जायसवाल, मिथलेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती, समाज सेवा एवं विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

शपथ–पत्र

मै अनसाय पिता ललुआ उम्र 65 वर्ष, जाति गोड, निवासी पहिया तहसील प्रतापपुर जिला–सूरजपुर छ०ग० निम्न आशय का शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि यह कि मेरे नाती ओमप्रकाश OMPRAKESH नाम से जारी आधार कार्ड मे नाती का नाम दर्ज है जो त्रुटिवश दर्ज हो गया है।

यह कि मेरा नाती ओमप्रकाश (OMPRAKASH) वास्तविक नाम नाती के समस्त प्रमाण पत्रो मे दर्ज है, जो सत्य एवं सही है।

यह कि नाती OMPRAKESH OMPRAKASH दोनो नामो में एकरूपता लाने मे आवेदन छत्तीसगढ राजपत्र मे नाम परिवर्तन करना चाहता हूँ, जिसकी अनुमति माननीय महोदय से प्रदान कराना चाहता हूँ।

समाचार पत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं राम नाथ राम आ. लाल साय जाति पनिका निवासी ग्राम चांचीडाड पोस्ट मसगा थाना प्रताप. पुर तहसील प्रतापपुर जिला सूर. जपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का आधार कार्ड नंबर 421168153916 में नाम सरोज (SAROJ) से बदलकर दुर्गा (DURGA) रख लिया है। जो मेरे पुत्री के कक्षा 10वीं के अंकसूची व जन्म प्रमाण में दर्ज है।

सार्थक आवासीय वॉलीबॉल अकादमी का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

राष्ट्रीय खेल दिवस से पूर्व वॉलीबॉल कोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

सूरजपुर। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित सार्थक आवासीय वॉलीबॉल अकादमी का कलेक्टर रेना जमील ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अकादमी में संचालित खेल गतिविधियों, वॉलीबॉल कोर्ट निर्माण कार्य तथा बालक छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण सूरजपुर, रामश्रृंगार यादव वॉलीबॉल संघ के सचिव, कार्यपालन अभियंता पवित्रा प्रधान, राजनाथ गुप्ता, बलवीर सिंह एवं आशीष उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि आगामी 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस से पूर्व वॉलीबॉल कोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बालक खिलाड़ियों के आवास हेतु छात्रावास का भी निरीक्षण किया और आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण खेल अधोसंरचना विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सार्थक आवासीय वॉलीबॉल अकादमी से प्रशिक्षित खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और जिले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने जिले में खेल संस्कृति के विकास एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

कार्यालय कलेक्टर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

क्र.–3895/भू–अर्जन/2025 बलरामपुर दिनांक 12.06.2026

चूंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की बायपास सड़क योजना अन्तर्गत ग्राम वाड्रफनगर हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:–

अनुसूची

भूमि का वर्णन :–

1. जिला – बलरामपुर–रामानुजगंज
2. तहसील– वाड्रफनगर
3. ग्राम/नगर– वाड्रफनगर
4. भूमि का क्षेत्रफल – 0.375 हेक्टेयर

खसरा नंबर	रकबा (हे0 में)	खसरा नंबर	रकबा (हे0 में)
147/1	0.016	1334/3	0.0316
147/2	0.0124	1334/5	0.0240
147/3	0.0146	1339	0.0100
148/1	0.010	1323/2	0.0220
148/2	0.0124	1334/4	0.0336
148/3	0.0124	1340/4	0.022
148/4	0.010	1341/5	0.002
148/5	0.010	1342/3	0.0108
1343/1	0.0132	1341/1	0.0020
1328/2	0.014	1342/1	0.0322
1343/2	0.024	1342/2	0.020
1334/1	0.0158		

कुल खसरा 23
कुल रकबा 0.375 हे0

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वाड्रफनगर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. उक्त भूमि के अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नही है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(नीरनिधि नन्देहा)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू–अर्जन अधिकारी
वाड्रफनगर

(चंदन संजय त्रिपाठी)
कलेक्टर
जिला बलरामपुर–रामानुजगंज
एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी–262701895/2

सरगुजा फ्रंटलाइन

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को आरएफएसएल की जानकारी देने हुई दो दिवसीय कार्यशाला

संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय न्यायालयिक विधि विज्ञान प्रयोगशाला कार्यालय के अधिकारियों ने दी विस्तृत जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा रेंज के विभिन्न जिलों में व्यवहारिक प्रशिक्षण करने हेतु आये सभी नव पदस्थ प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को नई तकनिकी फोरेंसिक साइंस थ्योरी एवं प्रेटिकल प्रशिक्षण (आरएफएसएल) की जानकारी हेतु रेंज स्तर पर कार्यशाला का आयोजन पुलिस को-ऑडिनेशन सेन्टर, सरगुजा भवन में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के निर्देशन में किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में फोरेंसिक साइंस थ्योरी एवं प्रेक्टिकल प्रशिक्षण के अधिकारी आर.के. पैकरा एवं कुलदीप कुजूर के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस नई तकनीकी प्रयोगशाला प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसी भी गंभीर प्रकरण के विवेचना के शुरूआती दौर से ही संग्रहित किये जाने वाले साक्ष्यों को

पूर्णतः पारदर्शिता के साथ सुरक्षित एकत्रित किया जाता है ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय के समक्ष सुरक्षित पेश किया जा सके, जो कि अपराधिक कानूनों में फॉरेंसिक जांच की महत्ता दिया गया है।

रेंज स्तर पर इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दो बैच में कराया गया। प्रथम बैच 03 जुलाई को संपन्न हुआ, जिसमें जिला सूरजपुर, बलरामपुर एवं कोरिया के 38 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को प्रशिक्षण मिला। द्वितीय बैच में 07 जुलाई को सरगुजा, जशपुर एवं एमसीबी जिले के 40 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को इस प्रशिक्षण दिया गया। फोरेंसिक साइंस थ्योरी एवं प्रेटिकल प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य रूप से संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय न्यायालयिक विधि विज्ञान प्रयोगशाला अंबिकापुर के अधिकारी आर. के पैकरा एवं कुलदीप कुजूर के द्वारा अपने अनुभवों को साझा करते हुये कई ऐसे पुराने प्रकरणों के बारे में बताया जो कि बहुत ही बारीकी से उन्होंने साल्व किया है। उन्होंने कहा कि आप सब जब भी मैदानी थाना, चौकी क्षेत्रों में कार्य करेंगे तो अलग-अलग तरह के अनसुलझे प्रकरण आयेंगे, जैसे में बर्निंग केश, डिकम्पोज बॉडी, इलेक्ट्रिक शॉक, हैंगिंग, ड्रावनिंग, हत्या, शव निरीक्षण, घटनास्थल का निरीक्षण जैसे प्रकरणों का शुरूआती दौर से ही एक-एक साक्ष्यों का तकनीकी उपकरणों के माध्यम से सावधानी पूर्वक साक्ष्य संग्रहित करने के तरीके एवं बारीकियों के बारे में अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी।

बताया गया कि 1 जुलाई 2024 से लागू हुये नये अपराधिक कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम में फारेंसिक जांच की भूमिका को विशेष महत्व दिया गया है। इसमें विशेष रूप से 7 वर्ष या उससे अधिक सजा वाले अपराधों में फारेंसिक टीम के अधिकारियों के द्वारा जांच की अनिवार्यता है। इस हेतु रेंज के सभी जिलों में फारेंसिक वैज्ञानिक अधिकारी पदस्थ किये गये हैं, एवं आधुनिक मोबाइल फारेंसिक वैन प्रदाय किया है। प्रशिक्षण के अगली कड़ी में सभी प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को क्षेत्रीय न्यायालयिक विधि विज्ञान प्रयोगशाला अंबिकापुर में ले जाकर बारीकी से एक-एक कर तकनीकि उपकरणों के बारे में जानकारी देकर घटना स्थल पर किस प्रकार प्रयोग/जांच किया जाना चाहिए, इन सारी तकनीकि उपकरणों के बारे में अवगत कराया गया। इसके उपरांत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में हर बिन्दुओं पर बारी-बारी से सभी प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों से उपस्थित अधिकारियों के द्वारा फीडबैक लिया गया, इस दौरान प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों से एक-एक करके पुनः तकनीकी उपकरणों एवं उसके उपयोग जैसे प्रश्नों के बाद त्रुटियों में सुधार किया गया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं संयुक्त संचालक, क्षेत्रिय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्रिय एफएसएल से जांच में पारदर्शिता बढ़ेगी और बैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर अपराधियों तक पहुंचने में आसानी होगी जो कि न्यायिक प्रक्रिया में गति मिलेगी एवं लंबित मामलों के निपटारे में शीघ्रता आयेगी। प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो, सीएसपी अंबिकापुर राहुल बंसल, रक्षित निरीक्षक अंबिकापुर तृप्ति सिंह राजपुत, पुमनि. कार्यालय के रीडर रेशम लाल साहू, स्थापना प्रभारी सुनील वर्मा सहित रेंज में पदस्थ सभी प्रशिक्षु उपनिरीक्षक उपस्थित रहे।

लॉज में रहकर नशीला इंजेक्शन बेचने वाला जेल दाखिल

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता ने मुखबिर की सूचना पर दी दबिश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय उड़नदस्ता कार्यालय केदारपुर में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुये टीम ने एक युवक को श्याम लॉज गंगापुर से 20 नग नशीली इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया। सूचना मिली थी कि ग्राम बटवाही, चौकी रघुनाथपुर का साहिल तिर्की नामक लड़का लॉज में रुका है और अंबिकापुर में घूम घूमकर नशीला इंजेक्शन बेच रहा है। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने श्याम लॉज में दबिश दी, तो उक्त युवक रुम नंबर 105 में रुका हुआ था। रूम खुलवाने पर वह कहीं जाने की तैयारी में था। तलाशी लेने पर उसके पास से 10 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन और 10 नग एविल इंजेक्शन मिला। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 बी के तहत गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड में जेल दाखिल किया गया। सहायक सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि साहिल तिर्की जिससे माल खरीद कर लाया था, उसकी तलाश की जा रही है, जल्द ही उसको भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी के साथ आबकारी प्रधान आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक रणविजय सिंह एवं रोहित सोनवानी की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

कक्षा 11वीं के रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री से प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि प्रयास आवासीय विद्यालय अंबिकापुर (घंघरी) के कक्षा 11वीं में रिक्त सीटों की पूर्ति लेटरल एंट्री के माध्यम से किया जाना है। जीव विज्ञान/गणित में कुल 10 सीट जिसमें बालक 05 एवं कन्या 05 रिक्त सीट है, रिक्त सीटों की संख्या परिवर्तनीय है। उन्होंने बताया कि ऑफलाईन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई अपरान्ह 5 बजे तक निर्धारित है। प्राप्त आवेदन पत्रों के पात्र/अपात्र सूची का प्रकाशन 17 जुलाई किया जाएगा। प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा तिथि 20 जुलाई को प्रातः 11 बजे से 1.30 बजे तक परीक्षा केन्द्र प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर (घंघरी) में आयोजित होगी। परीक्षा परीणाम 23 जुलाई को घोषित होंगे। आवेदक आवेदन का प्रारूप कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही कार्यालय कलेक्टर जिला सरगुजा के वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदक को निर्धारित प्रारूप में ही आवेदन 15 जुलाई सायं 5 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर जमा करना होगा। निर्धारित तिथि एवं समय समाप्ति पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। 17 जुलाई को पात्र/अपात्र की सूची वेबसाइट में देखा जा सकता है। 18 जुलाई एवं 19 जुलाई को प्रवेश-पत्र सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त किया जा सकता है। 23 जुलाई को परीक्षा परिणाम/मेरिट सूची वेबसाईट में प्रदर्शित किया जाएगा।

सरगुजा जिले की सभी 439 ग्राम पंचायतों में आयोजित हुआ रोजगार एवं आवास दिवस

सीईओ ने गणेशपुर एवं सलका का किया निरीक्षण, कार्यक्रम में हुए शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिले की सभी 439 ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण सहित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, हितग्राहियों की समस्याओं का मौके पर निराकरण तथा शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) की जानकारी देते हुए वीबी जी राम जी अंतर्गत लागू नई मजदूरी दर 300 रुपये प्रतिदिन से अवगत कराया गया। साथ ही पंचायतों में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों पर ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी सहभागिता

सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विनय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत लखनपुर की ग्राम पंचायत गणेशपुर का भ्रमण कर रोजगार एवं आवास दिवस कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आवास निर्माण की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए।

सीईओ अग्रवाल ने रोजगार सहायक को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रत्येक हितग्राही का 90 दिवस का मस्टर रोल अनिवार्य रूप से जारी किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मानव दिवस का पूरा लाभ प्राप्त हो सके। समीक्षा के दौरान उन्होंने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के प्रावधानों की जानकारी ग्रामीणों को विस्तार से दी। पंचायत में संचालित समस्त विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश सचिव एवं सरपंच को दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अन्य जनहित से जुड़े प्रकरणों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों को ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कचरा संग्रहण कार्य नियमित रूप से संचालित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सीईओ ने ग्रामवासियों से पंचायत करों का समय पर भुगतान करने की अपील करते हुए सचिव को कर वसूली में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत लखनपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष तामेश्वर राजवाड़े, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, जिला आवास एवं विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) की टीम, जनप्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजमिस्त्रियों की कमी दूर करने मिलेगा प्रशिक्षण

ग्राम में राजमिस्त्रियों की कमी को देखते हुए सीईओ ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के माध्यम से शीघ्र राजमिस्त्री प्रशिक्षण बैच प्रारंभ कराने के निर्देश दिए, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने ग्राम पंचायत में प्रगतिरत 153 आवासों को शीघ्र पूर्ण करने तथा 46 अप्रारंभ आवासों का निर्माण तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए।

आंबा भवनों के निर्माण की धीमी गति पर असंतोष

इसके पश्चात सीईओ ने ग्राम पंचायत सलका में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी गति पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए स्वीकृत तीनों भवनों को एक माह के भीतर निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश सरपंच एवं सचिव को दिए।

सरगुजा पुलिस अलर्ट मोड पर, किरायेदारों का सत्यापन जरूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गैंग्स ऑफ वासेपुर मामले के एक सजायाफ्ता, फरार मुजरिम द्वारा अंबिकापुर में ठिकाना बनाने और झारखंड पुलिस के हाथ से निकल जाने की घटना के बाद सरगुजा पुलिस अलर्ट मोड पर है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर पूरे जिले में संदिग्धों और किराएदारों का घर-घर सत्यापन अभियान बड़े पैमाने पर शुरू करने की तैयारी चल रही है। पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम को मोहल्लों में जाकर किराए पर रहने वाले लोगों की पहचान करने निर्देशित किया है। इसके अलावा कहीं भी झुग्गी में डेरा डालने वालों ने मुसाफिरी संबंधित थाने में दर्ज कराई है या नहीं, इस पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, पुलिस की यह कार्रवाई रूटिन में निरंतर चलती रहती है, लेकिन शहर में कई मकानों में रहने वाले किराएदारों की जानकारी मकान मालिकों के द्वारा पुलिस को उपलब्ध नहीं कराई जाती है, जिससे किसी प्रकार की वारदात होने के बाद पुलिस की परेशानी बढ़ जाती है। मकान मालिकों से किराएदारों का आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और मूल पता की जानकारी लेने के बाद ही मकान देने का आग्रह पुलिस ने किया है। बाहर से आकर ठिकाना बनाए किराएदारों की जानकारी पुलिस को भी देना अनिवार्य है। शहर के होटल, लॉज, धर्मशाला और गेस्ट हाउस में ठहरने वाले लोगों की रजिस्टर में इंद्राज की जाने वाली जानकारी पर भी पुलिस की नजर रहेगी। बिना आईडी के रहने की सुविधा उपलब्ध कराने पर पर सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में पुलिस है। जिले में प्रवेश करने वाले संदिग्ध वाहनों और बाहरी राज्यों से आए लोगों पर भी पुलिस की नजर रहेगी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और चेक पोस्ट में चेकिंग कार्रवाई पूर्व से ही जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

संदिग्धों की दें पुलिस को सूचना-मकान मालिकों से आग्रह किया गया है कि, वे बिना सत्यापन के किसी भी बाहरी व्यक्ति को किराये पर मकान न दें। सत्यापन नहीं कराने वाले मकान मालिकों पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गैंग्स ऑफ वासेपुर मामले के सजायाफ्ता मुजरिम के शहर में 13 वर्ष से ठिकाना बनाने और झारखंड पुलिस की कार्रवाई के बीच फरार होने की घटना के बाद पूरे सरगुजा जोन में आम नागरिकों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या किराएदार की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस अधिकारियों, नजदीकी थाना या डॉयल 112 में देने कहा गया है।

सरगुजा पुलिस रूटिन की कार्रवाई के बीच शहर में बाहर से आने वालों का मुसाफिरी दर्ज करती है। शहर में इनके आने का क्या मकसद है इसकी तहकीकात की जाती है। किराएदारों का सत्यापन भी समय-समय पर किया जाता है, और मकान मालिकों को हिदायत दी जाती है कि वे किराएदारों के संबंध में आवश्यक जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराएं।

अमोलक सिंह ढिल्लो
एएसपी सरगुजा

विद्यालय ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र-राजेश अग्रवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने मंगलवार को स्वामी आत्मानंद गवर्मेंट स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (अंग्रेजी माध्यम), ब्रम्हरोड अंबिकापुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ नए शैक्षणिक सत्र का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को सायकल वितरित कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा को जीवन में सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने और बेटियों को शिक्षा का समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्राओं को सायकल वितरण केवल एक योजना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे बेटियों की विद्यालय तक सुरक्षित और सुगम पहुंच सुनिश्चित होगी, वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगी। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। विद्यार्थी पूरे मनोयोग से अध्ययन करें, अनुशासन और मेहनत को अपना जीवन मंत्र बनाएं तथा अपने माता-पिता, शिक्षकों और प्रदेश का नाम रोशन करें। आज का परिश्रम ही कल की सफलता का आधार बनेगा। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा

कि एक शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक नवाचार कर रही है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के माध्यम से प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो रहे हैं। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के विद्यार्थी शिक्षा, संस्कार और प्रतिभा के बल पर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जर्जर मकान में मिला लापता व्यक्ति का शव, प्रथम दृष्टि में मामला खुदकुशी का

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरगई में रविवार को एक खंडहरनुमा मकान के अंदर फांसी पर लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की पहचान बरगई निवासी राजकुमार सिंह 53 वर्ष, पिता सबल सिंह के रूप में हुई है, जो पिछले 15-20 दिनों से घर से लापता था। जानकारी के मुताबिक, गांव के मुख्य मार्ग से लगभग 100 मीटर अंदर पुरंदन सिंह का पुराना और जर्जर मकान है। मकान से बदबू आने पर ग्रामीण वहां पहुंचे, और अंदर जाकर देखे तो एक व्यक्ति का शव मयार लकड़ी से फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। शव सड़-गल गया था, और उसका कुछ हिस्सा नीचे गिर चुका था। ग्रामीणों ने मृतक के कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान राजकुमार सिंह के रूप में की। घटना की सूचना ग्राम पंचायत बरगई के सरपंच एवं ग्रामीणों ने दरिमा थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, और घटनाक्रम से वरिष्ठ अफसर को दी। मामला हत्या से जुड़ा तो नहीं, इसकी जांच के लिये वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में मौके पर एफएसएल और राजपत्रित पुलिस अधिकारी पहुंचे। इन्होंने ग्रामीणों और मृतक के स्वजन से चर्चा की तो सामने आया कि राजकुमार शराब पीने का आदी था, और कई दिनों से घर से गायब था। इसकी तलाश में स्वजन लगे थे, लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था। पुलिस ने मृतक के शव को पंचनामा, पोस्टमार्टम के लिए स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी, हालांकि पुलिस अधिकारी मामले को प्रथम दृष्टया खुदकुशी से जुड़ा मान रहे हैं।

"दरिमा थाना क्षेत्र में जर्जर मकान में एक व्यक्ति का शव मिलने का मामला संज्ञान में आया था। मौके पर एफएसएल की टीम गई थी। पुलिस विभाग के राजपत्रित अधिकारी ने भी मौके का जायजा लिया था। मृतक बरगई का रहने वाला है, जो 25 जून से गायब था। मामला प्रथम दृष्टया खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के वास्तविक तथ्यों का पता चल पायेगा। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।"

अमोलक सिंह ढिल्लो, एएसपी सरगुजा

न्यायालयीन प्रकरणों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए सीसीएमएस की होगी नियमित समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर के द्वारा जारी पत्र के अनुसार कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार राजस्व विभाग से संबंधित न्यायालयीन प्रकरणों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से कोर्ट केस मॉनीटरिंग सिस्टम का संचालन किया जा रहा है, किन्तु उच्च न्यायालय छ.ग. बिलासपुर में वर्तमान में सरगुजा जिले के 264 प्रकरण लंबित हैं। उक्त प्रकरणों में नियुक्त प्रभारी अधिकारियों द्वारा समयावधि में जवाबदावा नहीं किया जा रहा है, जिससे अवमानना की स्थिति निर्मित हो रही है। जिला स्तर पर कोर्ट केस मॉनीटरिंग सिस्टम पोर्टल के सुचारू संचालन, अनुश्रवण करने हेतु प्रभारी अधिकारी न्यायिक शाखा एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी सरगुजा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में कोर्ट केस मॉनीटरिंग सिस्टम की समीक्षा बैठक आयोजित कर न्यायालयीन प्रकरणों की अद्यतन स्थिति से छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग को अवगत कराएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर